

मुस्लिम मतदाता निर्णायक होंगे बिहार चुनाव में

-18 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता यदि बटता है तो एनडीए की, नहीं बटा तो इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी बिहार प्रदेश में
-एआईएमआईएम की 5-10 विधानसभा सीट जीतने की संभावना

जयपुर (राज्यल पत्रिका)। बिहार विधानसभा का दूसरा चरण 11 नवंबर को संपन्न हो जाएगा। बिहार में इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर है। 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। बिहार विधानसभा में किसकी सरकार बनेगी इसकी चर्चा जोरों से देश में हो रही है। ज्यादातर सर्वेक्षणों में एनडीए यानी भाजपा-नीतीश गठबंधन की सरकार बनती दिखाई दे रही है। इंडिया गठबंधन एक बार फिर बिहार की सत्ता से वंचित रह सकता है। इसके अलावा इसका मुख्य कारण है कि इंडिया गठबंधन का कोर वोट एम वार्ड बटता नजर आ रहा है। यदि एम वार्ड समीकरण मजबूत बना रहा तो सभी समीकरण झूठे साबित हो सकते हैं। बिहार में मुस्लिम, यादव मतदाताओं की बिहार में करीब 35 प्रतिशत जनसंख्या है। बिहार का मुस्लिम वर्ग इंडिया गठबंधन, एआईएमआईएम पार्टी एवं जन स्वराज पार्टी में बटता नजर आ रहा है। मुस्लिम वोटों का बंटवारा सीधे तौर पर भाजपा गठबंधन को फायदा पहुंचा रहा है। जन स्वराज पार्टी को मुस्लिम युवाओं का कुछ संख्या में समर्थन मिल रहा है। बिहार विधानसभा की स्थिति को देखते हुए लगता है की जन स्वराज



पार्टी को यदि मुस्लिम वर्ग का समर्थन मिलना भी इंडिया गठबंधन को बड़ा नुकसान माना जाएगा। बिहार का मुस्लिम वर्ग कितना बटता है और कितना मजबूत रहता है यह अभी कहना आसान नहीं है। लेकिन 14 नवंबर को विधानसभा चुनाव परिणाम के दिन इसकी पूरी जानकारी मिल जाएगी।

एआईएमआईएम को मिल सकती है 5-10 विधानसभा सीट
बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार सरकार बनने का दारोमदार मुस्लिम वोटों पर निर्भर है। मुस्लिम वोट और मुस्लिम वर्ग कितना जागरूक हुआ है इसकी झलक बिहार विधानसभा में मिलने वाली है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी बिहार के करीब 24 मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर चुनावी मैदान में है। इन सीटों पर मुसलमानों की संख्या 30- 70 प्रतिशत तक है। ओवैसी ने अपना चुनाव प्रचार इन्हीं सीटों तक सीमित रखा है। ओवैसी की पार्टी



एआईएमआईएम के साथ किसी बड़ी पार्टी ने गठबंधन नहीं किया है। इंडिया गठबंधन को सबसे ज्यादा नुकसान ओवैसी की पार्टी से होने वाला है। ओवैसी की पार्टी का मुख्य मुकाम कांग्रेस और राजद उम्मीदवारों से हैं। जिसका सीधा फायदा भाजपा गठबंधन को होगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी एवं राजद के देशभर के मुस्लिम नेता ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवारों को हराने के लिए बिहार जाकर जोर लगा रहे हैं। देशभर के मुस्लिम राजनेता ओवैसी को अपने राजनीतिक कैरियर के लिए खतरा मानते हैं। यही कारण है कि मुस्लिम नेता बिहार जाकर ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि यदि ओवैसी की पार्टी बिहार में मजबूत होती है तो देश के मुस्लिम लीडरों को राजनीति करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए मुस्लिम लीडरों की इच्छा हो सकती है कि ओवैसी के उम्मीदवार नहीं जीते चाहे भाजपा उम्मीदवार जीत जाएं।

क्या भारत में कोई नेता जोहरान ममदानी जैसा हो सकता है ?

जयपुर (राज्यल पत्रिका)। अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में 34 वर्षीय मुस्लिम उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने मेयर पद का चुनाव बड़े अंतर से जीता है। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश में न्यूयॉर्क जैसे महत्वपूर्ण शहर का मेयर बनना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जोहरान ममदानी ने मेयर पद का चुनाव तब जीता है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनका खुला विरोध किया और बड़े पूंजीपतियों ने ममदानी को हराने के लिए बड़ा फंड खर्च किया। न्यूयॉर्क सिटी की जनता जिसमें ईसाई, मुस्लिम, हिंदू और अन्य सभी ने ममदानी को समर्थन दिया, सिर्फ यहूदी वर्ग ने ममदानी का विरोध किया। जोहरान ममदानी एक डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं, वह पूंजीपतियों के खिलाफ हैं। अमेरिका में अमेरिका के हितों की बात करने वाले बुद्धिमान एवं निडर लोगों को बहुत पसंद किया जाता है। अमेरिका विकसित और शक्तिशाली देश दूसरे देशों से आए ब्रेन ड्रॉपों से बना है। अमेरिका में धार्मिक पक्षपात, भ्रष्टाचार जैसे हानिकारक तत्व बड़ी मात्रा में चलन में नहीं हैं, वहां योग्य लोगों का खुलकर स्वागत किया जाता है। **भारत देश में ममदानी जैसा नेता हो सकता है ?**
भारत देश जनसंख्या के लिहाज से विश्व का सबसे बड़ा देश है। भारत की जनता ने भी योग्य, बुद्धिमान एवं मेहनती लोगों को दिल से स्वीकार किया है। चाहे वह किसी भी धर्म, समुदाय वर्ग, जाति और नस्ल का व्यक्ति रहा हो। भारत एक सेकुलर देश है और देश की बहुसंख्यक जनता देश के सेकुलर ताने-बाने को पसंद करती है। आपकी जानकारी के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का नाम लिया जा सकता है। जिनको



मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता था और भारत के महान वैज्ञानिकों में उनका नाम है और वे देश के राष्ट्रपति भी रहे। इनके अलावा डॉ. जाकिर हुसैन (मुस्लिम) 1967-1969 तक देश के पहले मुस्लिम राष्ट्रपति रहे। डॉ. मनमोहन सिंह (सिख) जो 2004 से 2014 तक देश के लगातार दो बार प्रधानमंत्री रहे। भारत की अर्थ-व्यवस्था को उदारीकरण की दिशा में ले जाने वाले प्रमुख अर्थ-शास्त्री थे। मारग्रेट अल्वा (इसाई) गोवा की राज्यपाल रही, धर्म ईसाई था। इनके अलावा जेआरडी टाटा को सभी जानते थे। टाटा पारसी धर्म के व्यक्ति थे और भारत की औद्योगिक क्रांति में उनका बड़ा योगदान है। इसी तरह सेना, विजिलेंस, खेल, शिक्षा, राजनीति में भी बड़ी संख्या में हिंदुओं के अलावा दूसरे धर्मों के लोग हैं, जो उच्च स्तर और उच्च पदों तक पहुंचे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि भारत में भी कोई योग्य, बुद्धिमान, मेहनती और भारत के हित की बात करने वाला व्यक्ति भी विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, जज, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और बिजनेसमैन बन सकता है। देश में वर्तमान सरकार का चेहरा देश का चेहरा नहीं है। देश में भाजपा चुनाव जीत कर सत्ता संभाल रही है। भाजपा की विचारधारा देश की विचारधारा से कुछ अलग हो सकती है, लेकिन देश के लिए योगदान देने वालों को वह रोक नहीं सकती है।

बिहार में लाल झंडे की आड़ में नक्सलवाद लाने की हो रही कोशिश- अमित शाह

पटना। बिहार विधानसभा के प्रचार के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अरवल में चुनावी सभा को संबोधित किया और उन्होंने लोगों को सचेत किया कि बिहार में लाल झंडे की आड़ में नक्सलवाद लाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार में नक्सलवाद और जंगलराज को समाप्त कर दिया है। अब किसी की हिम्मत नहीं है कि बिहार में फिरोती, खून-खराबा, अपहरण और नक्सलवाद को फिर से फैलाए। **अमित शाह ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार उद्योग-धंधे लाने को लेकर काम कर रही है**

तक शरीर पर थूल नहीं लगने देते, लेकिन फिर भी उन्होंने घुसपैठियों के लिए बिहार में

किया। उन्हें भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस सत्ता से बाहर गई। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस



यत्रा निकाली है। **घुसपैठिए युवाओं की नौकरियां छीनते हैं, गरीबों के हिस्से में संध लगाते हैं और देश को भी असुरक्षित करते हैं** उन्होंने कहा कि ये घुसपैठिए युवाओं की नौकरियां छीनते हैं, गरीबों के हिस्से में संध लगाते हैं और देश को भी असुरक्षित करते हैं। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या यहां घुसपैठिए रहने चाहिए? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जितनी यत्रा निकालनी है बिहार से लेकर इटली तक निकाल लें, लेकिन यहां से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं के खाते में अभी 10 हजार रुपए भेजे गए, लेकिन वापस ले लिया जाएगा, जबकि वे जान लें, यह राशि कोई वापस नहीं ले सकता। अगले कुछ दिनों में इन्हें दो लाख रुपए और दिए जाएंगे। उन्होंने जहां अयोध्या में भव्य राम मंदिर की चर्चा की, वहीं उन्होंने सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार आने पर सड़कें और बिजली आती हैं, जबकि महागठबंधन के आने पर नरसंहार और खून-खराबा होता है।

अमित शाह ने एनडीए की फिर से सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि बिहार में पहले चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। पहले ही चरण में लालू की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। पहले चरण में तय हो चुका है कि बिहार में एनडीए की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि राहुल गांधी कभी 15 दिन

बाबा साहेब जब तक जिंदा रहे, तब तक कांग्रेस ने उनका विरोध किया
केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर बाबा साहेब का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहेब का नाम इनके लिए वोट बटोरने का नाम है जबकि हमारे लिए यह श्रद्धा है। बाबा साहेब जब तक जिंदा रहे, तब तक कांग्रेस ने उनका विरोध

अंता विधानसभा उपचुनाव में सरकार, विपक्ष की प्रतिष्ठा दाव पर

-संभावित तीसरे मोर्चे के नेताओं ने पूरी ताकत झोंकी
-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया रोड शो
-जीत के लिए सभी उम्मीदवारों का अपना अपना दावा



एम खान
जयपुर (राज्यल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव बड़ी रोचक स्थिति में पहुंच गया है। सरकार और विपक्ष के नेताओं ने इस चुनाव को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है। झालावाड़ संसदीय क्षेत्र का अंता विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई। माना जा रहा है कि भाजपा उम्मीदवार मोरपाल सिंह सुमन को पूर्व मुख्यमंत्री राजे की अनुशंसा पर ही टिकट दिया गया है।

राज्यल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव बड़ी रोचक स्थिति में पहुंच गया है। सरकार और विपक्ष के नेताओं ने इस चुनाव को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है। झालावाड़ संसदीय क्षेत्र का अंता विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई। माना जा रहा है कि भाजपा उम्मीदवार मोरपाल सिंह सुमन को पूर्व मुख्यमंत्री राजे की अनुशंसा पर ही टिकट दिया गया है।

यदि चुनाव जीतते हैं तो राजस्थान में संभावित तीसरे मोर्चे का जन्म होना तय माना जा रहा है। अंता की जनता ने भी सभी उम्मीदवारों और पार्टियों को बराबर-बराबर समर्थन देकर ऐसा माहौल बना दिया है कि यहां कांग्रेस, बीजेपी और नरेश मीणा में से किसी की भी जीत हो सकती है। अंता की जनता ने अंता के ज्यदा होशियार दिखाई दे रही है और चुनाव प्रचार का पूरा आनंद उठा रही है। जबकि पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं पैसा खर्च कर रहे हैं फिर भी जीत की गारंटी नहीं है। अंता की जनता ने नेताओं से बहुत मेहनत करवाई है लगता है पूरे 5 वर्ष नेताओं के चक्कर लगाने वाली जनता ने नेताओं से उनसे ज्यादा मेहनत और चक्कर लगवा लिए हैं। 11 नवंबर को चुनाव होना है और 14 नवंबर को परिणाम आया लेकिन इस चुनाव में पहली बार जनता की जीत होने जा रही है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने 'वंदे मातरम्' पर भाजपा को घेरा

जयपुर (राज्यल पत्रिका)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 7 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'वंदे मातरम्' को लेकर तीखा हमला बोला है। जयपुर के सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में गहलोत ने कहा कि भाजपा वंदे मातरम् की विरासत को लेकर लड़ रही है। पूर्व सीएम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे (भाजपा) राष्ट्रवाद और

वंदे मातरम् जैसे मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस का इतिहास और विरासत इन सब से कहीं बढ़कर है। गहलोत ने यह बातें आज अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने समसामयिक

राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए भाजपा की नीतियों की आलोचना की।

सीएम नीतीश कुमार का राजद पर वार

-कहा- परिवारवाद की राजनीति ने विकास रोक दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के प्रचार अभियान के अंतिम दिन रविवार को सभी दलों के नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, और मुकेश सहनी चुनावी प्रचार में उतरे, तो एनडीए की ओर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एमपी के सीएम मोहन यादव, और बिहार के सीएम नीतीश कुमार विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचे।



एनडीए सरकार ने साल 2005 से बिहार में विकास की नई शुरुआत की थी, जब राज्य पूरी तरह बदहाली में था। उन्होंने याद दिलाया कि पहले के शासनकाल में न तो सड़कें थीं, न कानून-व्यवस्था, और लोग शाम ढलते ही घरों से निकलने से डरते थे। **लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पद छोड़ने पर उन्होंने पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता को परिवार तक सीमित कर दिया**
उन्होंने कहा कि पहले सत्ता में रहने वालों ने सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा दिया, राज्य के

विकास पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने राजद प्रमुख लालू यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जब उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया और सरकार को परिवार तक सीमित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज वही लोग फिर से सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं, लेकिन बिहार की जनता अब सब कुछ समझ चुकी है। अब जनता जानती है कि किसने विकास किया और किसने सिर्फ नारे दिए हैं। **मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बिहार को अंधकार से निकालकर शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया**
मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बिहार को अंधकार से निकालकर शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया ताकि लोग सम्मान के साथ जीवन जी सकें। 2005 में एनडीए की सरकार बनने के बाद उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था को सुधारने को प्राथमिकता दी। **हमने अपराधियों के खिलाफ**

कार्रवाई की, पुलिस की जिम्मेदारी तय की और लोगों को भरोसा दिलाया कि अब बिहार में कानून का राज होगा
उन्होंने कहा, "हमने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की, पुलिस की जिम्मेदारी तय की और लोगों को भरोसा दिलाया कि अब बिहार में कानून का राज होगा। एनडीए के शासनकाल में लोग बेखौफ होकर यात्रा कर सकते हैं।" मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोगों से बिहार की विकास यात्रा में सहभागी बनकर विकसित बिहार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में सबके लिए काम हुआ है। **हमारी सरकार ने हमेशा 'विकास के साथ न्याय' के सिद्धांत पर काम किया है**
उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा विकास के साथ न्याय के सिद्धांत पर काम किया है। हमने गरीबों, दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को सशक्त किया है। पंचायती राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिससे वे निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन सकीं। सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया।

ख्वाजा के दरगाह की होगी निगहबानी, पर अदब भी रहेगा बरकरार

-हाईकोर्ट ने खींची मर्यादा की लकीर



अजमेर। राजस्थान का अजमेर हमेशा ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह की वजह से गुलजार रहता है। यहां पर पूरी दुनिया से हर साल बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचते हैं। अजमेर और बिजौरा में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का मुद्दा इस समय सुर्खियों में है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैहि के मुख्य आस्ताना शरीफ में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई है। सुनवाई के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि दरगाह परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, लेकिन इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि कैमरों में मुख्य मजार की तस्वीर कैद न हो। इस दौरान दरगाह कमेटी की तरफ से वकील यादवेन्द्र जादौन ने पक्ष रखा और अदालत को मामले की जानकारी दी। दरगाह कमेटी के वकील यादवेन्द्र जादौन ने बताया कि यह मामला सैयद मेराज चिश्ती की याचिका पर कोर्ट में पहुंचा है, जिसमें मुख्य आस्ताना शरीफ में सीसीटीवी लगाने और दरगाह कमेटी की नियुक्ति को लेकर था। अदालत ने सीसीटीवी से जुड़े बर्कती बिंदुओं और दरगाह कमेटी की नियुक्ति से संबंधित अन्य मांगों को खारिज कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने यह भी साफ किया कि भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देशों का पालन

करते हुए और सुरक्षा व निगरानी को ध्यान में रखते हुए दरगाह में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना जरूरी है। अदालत ने कहा कि आस्ताना शरीफ परिसर में कैमरे लगाए जाएं, लेकिन मुख्य मजार के कैमरे की जद में नहीं आना चाहिए। जिससे किसी की मजहबी जज्बात ठेस न पहुंचे। कोर्ट ने दरगाह कमेटी के गठन को लेकर भी निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले अजमेर कोर्ट ने भी दरगाह परिसर में सीसीटीवी लगवाने के आदेश दिए थे। हालांकि, इस आदेश पर खादिम समुदाय की तरफ से आपत्ति जताई गई थी। इसी के बाद सैयद मेराज चिश्ती ने वरिष्ठ अधिवक्ता छाया सरकार के जरिये से यह याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दायर की थी। इस याचिका में भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और दरगाह ख्वाजा साहेब के नाज़िम कार्यालय को भी पक्षकार बनाया गया था। भारत सरकार की ओर से अधिवक्ता अमित तिवारी ने अदालत में अपना पक्ष रखा। मामले पर दरगाह कमेटी अजमेर के वकील यादवेन्द्र जादौन ने मीडिया को जानकारी देते हुए अदालत की तरफ से जारी निर्देशों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने सुरक्षा को तरजीह देते हुए यह फैसला लिया है, लेकिन मजहबी जज्बात का ध्यान भी रखा गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

चुनावों में धांधली लोकतंत्र लिए खतरा

बिहार चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को पूरा हो गया। लेकिन इस पहले चरण में वोटिंग में धांधली की घटनाएं बड़ी संख्या में नजर आयीं। चुनावों में धांधली देश के लोकतंत्र के लिए खतरा माना जाता है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि वह देश में निष्पक्ष, भयमुक्त एवं साफ सुथरे चुनाव सम्पन्न करावये। देश के दबंग पूर्व-चुनाव आयुक्त टीएम शेषन आज भी निष्पक्ष चुनाव के लिए याद किए जाते हैं। लेकिन वर्तमान में चुनाव आयुक्त आखे बंद करके कुर्सी पर बैठे हैं। चुनाव आयुक्त पर पूरा विपक्ष चुनावों में धांधली और एक पार्टी के पक्ष में काम करने का आरोप लगा रहा है। फिर भी चुनाव आयोग लगातार चुनावों में धांधली की अनदेखी कर रहा है। जब चुनाव आयोग लगातार चुनावों में धांधली की अनदेखी कर रहा है तो कैसे निष्पक्ष और बिना हेराफेरी के चुनाव हो सकते हैं। ऐसा ही हाल बिहार विधानसभा चुनाव में रहा। चुनाव के पहले चरण में कई स्थानों पर मतदाताओं को घरों से निकलने तक नहीं दिया। कई नेताओं ने दो-दो बार मतदान किया तो कई स्थानों पर ईवीएम बदलने की सूचनाएं आ रही हैं। कुछ जगहों पर सुरक्षाबलों ने भी मतदाताओं पर वोट नहीं करने का दबाव बनाया। वोटिंग के दौरान कुछ ऐसे युवक भी देखे गए जिनका नाम संबंधित ब्यू क्षेत्र की मतदाता लिस्ट में था ही नहीं, फिर भी मतदान करने की कोशिश कर रहे थे। चुनावों में धांधली होना और चुनावों में

धांधली को नहीं रोक पाना देश के चुनाव आयोग की नाकामी है। देश में चुनाव आयोग चुनाव में धांधली की घटनाओं पर क्यों चुपकी साधे हुए है समझ से परे है। क्या विपक्ष जो चुनाव आयोग पर एक पार्टी के पक्ष में काम करने का आरोप जो लगा रहा है, वह सही है? चुनाव आयोग के लचीलेपन और चुनाव की निष्पक्ष प्रक्रिया पर सख्ती नहीं करना तो शक पैदा करता है। जिस देश में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया नहीं अपनायी जाती है, वहां धीरे-धीरे लोकतंत्र का हास हो जाता है। बेईमानी से जीतने वाले नेता और राजनीतिक दलों में तानाशाही पनपने लगती है। तानाशाह सरकार और नेता कभी किसी देश का फायदा नहीं कर पाता है। तानाशाह नेता और सरकार सिर्फ लोगों की एवं विपक्ष की कमियाँ गिनाने और अपना घर भरने में ही पूरा समय गंवा देते हैं। हमारे देश में अभी पूरी तरह तानाशाही नहीं पनपी है और पनप भी नहीं सकती। क्योंकि हमारा देश विभिन्न धर्मों, वर्गों, जातियों, संस्कृतियों, भाषाओं और महापुरुषों का देश है, जहां एक विचार को सबके ऊपर नहीं थोपा जा सकता है। देश में तानाशाही और विचार धोपने की कई बार असफल कोशिश हुई, लेकिन सफल नहीं हुई। वर्तमान में भी ऐसा ही हो रहा है। लेकिन देश के मजबूत सेम्यूलर तांत्रिकों के सामने देश को कभी तोड़ा नहीं जा सकता, हां कुछ कमजोर जरूर किया जा सकता है।

हुजूर स.अ. की हजरत अबूजर र.अ. को वसीयतें और नसीहतें

हजरत अबूजर र.अ. ने हुजूर स.अ. से फरमाया कि हुजूर स.अ. मुझे वसियत कीजिए। आप स.अ. ने फरमाया मैं तुम्हें अल्लाह से डरते रहने की वसीयत करता हूं, यही तेरे काम सिर यानि खुलासा है। मैंने कहा या रसूल अल्लाह स.अ. कुछ और भी। आप स.अ. ने फरमाया तिलावत कुरान और अल्लाह के जिक्र में मशगूल रह, वो तेरे लिए आसमानों में जिक्र का और जमीन में नूर का बाइस होगा। मैंने फिर कहा हुजूर स.अ. और ज्यादा फरमाइये, फरमाया खबरदार ज्यादा हंसी से बच, वो दिल को मुर्दा कर देती है और चेहरे का नूर दूर कर देती है। मैंने कहा और ज्यादा, फरमाया जिहाद में मशगूल रह, मेरी उम्मत की रहबानियत दरवेशी यही है। मैंने कहा और वसीयत कीजिए, फरमाया सिवाय भली बात कहने के जुबान बंद रखा कर इससे शैतान भाग जाएगा और दीनी कामों में बड़ी ताइद यानि मदद होगी। मैंने कहा कुछ और भी फरमाइये, फरमाया अपने से नीचे के दर्जे के लोगों को दिखाकर और अपने से आला दर्जे के लोगों पर नजरें ना डाल। इससे तेरे दिल में खुदा की नेमतों की अजमत होगी। मैंने कहा मुझे और ज्यादा नसीहत कीजिये, फरमाया मिसकीनों से

मोहब्बत रख और उनके साथ बैठ, इससे तुझे खुदा की रहमतें बहुत बड़ी मालूम होगी। मैंने कहा और फरमाइये, फरमाया करारबतदारों से मिला रह गो वो तुझ से ना मिलें। मैंने कहा और फरमाया हक गोई कर गो वो किसी को कड़वी लगे। मैंने और भी नसीहतें तलब कीं। फरमाया अल्लाह तआला के बारे में मलामत करने वाले की मलामत का खोफ न कर। मैंने कहा और फरमाया अपने ऐबों पर नजर डाल दूसरों की एब गीरी से बाज आ जा। फिर मेरे (अबूजर र.अ.) के सीने पर आप स.अ. ने अपना हाथ रखकर फरमाया ए अबूजर ! तदबीर के बराबर कोई अकलमदी नहीं और हरास से रूक जाने के बराबर कोई परहेजगारी नहीं और अच्छे अखलाक जैसे कोई नसब (असल) नहीं। अल्लाह तआला से यह दुआ है कि अल्लाह हम सबको प्यारे नबी स.अ. की अबूजर र.अ. को की गई वसीयतों और नसीहतों पर ज्यादा से ज्यादा अपनी जिदगी में अमल करने की तौफीक अता फरमाये, ताकि हमारी आखिरत की जिदगी बेहतर हो सके। आमीन (तफसीर इब्ने कसीर)

-हबीबुल्ला, एडवोकेट

तालीमयाफ़ता औरतः

एक तालीमयाफ़ता नस्ल की ज़मानत इस्ताम में इल्म (ज्ञान) हासिल करना हर मुसलमान मर्द और औरत पर फ़र्ज़ करार दिया गया है। नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने तालीम के मामले में मर्द और औरत के बीच कोई फ़र्क नहीं किया। इस्ताम ने लड़कियों की तालीम और तरबियत को न सिर्फ़ उनका हक़ बताया है, बल्कि इसे समाज की तरक्की और भलाई के लिए ज़रूरी करार दिया है। एक पढ़ती-लिखती और दीनदार औरत ही एक बेहतरीन नस्ल की तरबियत कर सकती है। बूँके माँ की गोद बच्चे की पहली दरसगाह (पाठशाला) होती है, इसलिए माँ का तालीमयाफ़ता और जागरूक होना आने वाली नस्लों के मुस्तक़बिल (भविष्य) को संभालने के लिए इतिहाई ज़रूरी है। हज़रत आयशा (रज़ियल्लाहु अन्हा) का किरदार हमारे लिए बेहतरीन मिसाल है, जो अपने दौर की सबसे बड़ी आलिमा (विद्वान) थीं और बड़े-बड़े सहाबा उनसे दीनी मसाइल में रहनुमाई हासिल करते थे। नबी-ए-करीम (स.अ.) ने फ़रमाया, "जिस शख्स ने अपनी दो या तीन बेटियों या बहनों की अच्छी परवरिश की, उन्हें तालीम दी और उनका निकाह कर दिया, तो उसके लिए जन्नत है।" यह हदीस लड़कियों की तरबियत की अहमियत और उसके अज़ीम अज़्र (प्रतिफल) को ज़ाहिर करती है। लड़कियों को दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम से भी आरस्ता करना चाहिए ताकि वे एक अच्छी माँ, एक अच्छी बीवी और समाज की एक ज़िम्मेदार फ़र्द बन सकें। उन्हें तालीम से महरूम रखना इस्लामी तालीमात के सरासर खिलाफ़ है।

अल्लामा इकबाल: विश्व के महान उर्दू कवि

जन्मदिन पर विशेष आलेख...

“खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है”

अल्लामा मोहम्मद इक़बाल एक महान कवि, दार्शनिक और राजनीतिज्ञ थे, जिनकी रचनाओं, विचारधारा और योगदान ने भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास को गहराई से प्रभावित किया। अल्लामा इक़बाल का जन्म 9 नवम्बर 1877 को अविभाजित भारत के पंजाब के सियालकोट (अब पाकिस्तान) में हुआ था। इक़बाल का पूरा नाम मोहम्मद इक़बाल मसऊदी था। उनके पिता शेख नूर मुहम्मद एक धार्मिक व्यक्ति थे और विद्वानों के बीच उठते-बैठते थे। यह धार्मिक माहौल ही इक़बाल के दर्शन का आधार बना। इक़बाल की आरंभिक शिक्षा एक स्थानीय मक़तब में हुई। उन्होंने सियालकोट मिशन स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की और फिर स्काच स्कूल, सियालकोट से एफ.ए. पास किया। इसके बाद इक़बाल ने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से बी.ए. और फिर दर्शन शास्त्र में एम.ए. की उपाधियाँ प्राप्त कीं। यहीं उनकी भेट अरबी भाषा के सुप्रसिद्ध विद्वान प्रोफेसर टी. डब्ल्यू. अर्न्ल्ड से हुई, जिनका प्रभाव इक़बाल के चिंतन और लेखन पर स्पष्ट देखा जा सकता है। उच्च शिक्षा और विदेश यात्रा 1905 में इक़बाल उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड गए और केंब्रिज विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। यहाँ उन्होंने दर्शन शास्त्र में अध्ययन किया और बाद में म्यूनिख विश्वविद्यालय, जर्मनी से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इक़बाल का शोध विषय 'ईरान में मा बाद उल तबीआत का इतिहास' था। इसके बाद उन्होंने लंदन में कानून की पढ़ाई की और बैरिस्टरी की उपाधि प्राप्त की। इंग्लैंड, जर्मनी और लंदन में अध्ययन एवं अनुभव ने इक़बाल की सोच में नया मोड़ दिया। गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत के बजाय इंग्लैंड की आजादी और स्वाधीनता ने उनके विचारों को नए आयाम दिए। इक़बाल ने अपने छात्र जीवन में ही पहली शादी एक प्रतिष्ठित परिवार की महिला से की, जिनसे एक पुत्र आफ़ताब इक़बाल हुआ। इनकी दूसरी और तीसरी शादियाँ भी बाद में हुईं। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि और संस्कार उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप से झलकते हैं। इक़बाल ने उर्दू और फ़ारसी में ऐसी शायरी लिखी, जिसे आधुनिक काल की श्रेष्ठतम साहित्यिक रचनाओं में गिना जाता है। उनकी शायरी विचारधारा से युक्त होती थी, जिसमें उपमाएँ, रूपक और प्रतीकों के माध्यम से सामाजिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक जीवन की गहराई को स्पर्श किया गया, उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं: असरार-ए-खुदीरमूज़-ए-बेखुदीबान-ए-दारा (जिसमें सारे जहाँ से अच्छा शामिल है) शिकवा एवं जवाब-ए-शिकवाबाल-ए-जब्रिलजबूर-ए-अज़ीम "सारे जहाँ से अच्छा" आज भी भारतीय उपमहाद्वीप के लोकप्रिय राष्ट्र गीतों में से एक है, जिसे स्कूलों और समारोहों में बड़े सम्मान के साथ गाया जाता है। फ़ारसी में लिखी उनकी शायरी को ईरान और अफ़ग़ानिस्तान में अपनी विशिष्ट पहचान मिली है। दर्शन के क्षेत्र में इक़बाल ने 'खुदी' (स्वत्व) का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसमें मानव को अपनी आत्मा, जीवन-शक्ति और संकल्प को प्रबल करने की प्रेरणा दी गई है। उनका कहना था- 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है।' इस दर्शन की मुख्य धारा आत्म जागरूकता, आत्म सम्मान और आंतरिक सुधार की ओर प्रेरित करती है। इक़बाल ने इस्लामी राष्ट्रवाद

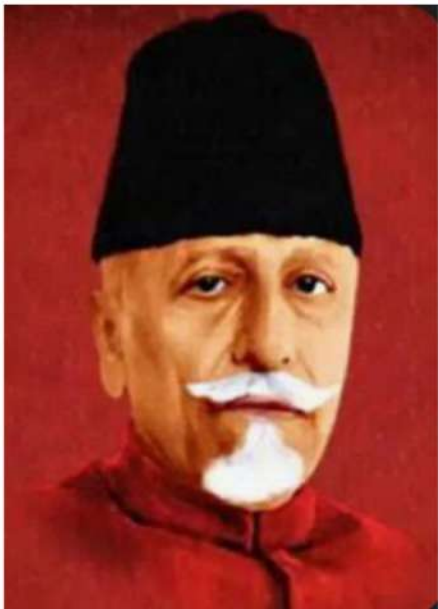


और उम्मा (इस्लामिक भाईचारा) की अवधारणा को भी विस्तार से प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि इस्लाम में राष्ट्रवाद का समर्थन नहीं किया गया है, बल्कि मुस्लिम समुदाय को एकजुटता की भावना से जोड़ा गया है। इक़बाल का राजनीति में सक्रिय योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण था। वे 1926 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए और 1930 में मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन में अध्यक्ष नियुक्त हुए। यहीं उन्होंने हिस्ट्री सिद्धांत की नींव रखी और भारत की स्वतंत्रता के साथ-साथ पाकिस्तान के निर्माण का सपना देखा। इक़बाल का मानना था कि भारतीय मुसलमानों की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को सुरक्षित रखने के लिए अलग राष्ट्र अनिवार्य है। उनकी इस सोच ने आगे चलकर पाकिस्तान के निर्माण की राह प्रशस्त की। राजनीति में व्यस्त रहते हुए इक़बाल ने साहित्य और लेखन को कभी नहीं छोड़ा। उनकी कविताएँ जीवन और मानवता के उच्च आदर्शों की अभिव्यक्ति थीं। उनकी अंतिम पुस्तक 'अरमुआन-ए-हिजाज़' उनकी मृत्यु के बाद प्रकाशित हुई। उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय एवं अलीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट. की मानद उपाधियाँ दी गईं। 21 अप्रैल 1938 को लाहौर में इक़बाल का निधन हुआ, उनकी समाधि लाहौर की बदाशही मस्जिद के समीप है। इक़बाल को पाकिस्तान का राष्ट्र कवि और 'शायर-ए-मशरीक' (पूरब का शायर) कहा जाता है। उनके विचार और रचनाएँ आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। पाकिस्तान के साथ-साथ भारत, अफ़ग़ानिस्तान और ईरान में उनके जीवन और कृतित्व का सम्मान किया जाता है। अल्लामा इक़बाल ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने साहित्य, दर्शन, राजनीति और समाज के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। उनकी रचनाएँ आज भी 'खुदी' के उच्च सिद्धांत, जागरूकता, स्वतंत्र सोच और मानवता के आदर्श मूल्यों की मशाल जलाए हुए हैं। वे सत्य, न्याय और आत्म गौरव की राह दिखाने वाले शायर थे। उनकी जीवन-गाथा से यह शिक्षा मिलती है कि कठिन परिस्थितियों में भी ऊँचे विचार, अध्ययन और आत्मबल से न सिर्फ़ अपना, बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारा जा सकता है। अल्लामा इक़बाल का नाम साहित्य, संस्कृति और इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद: देश के पहले शिक्षा मंत्री

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है कलाम का जन्मदिन....

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता, विद्वान, पत्रकार तथा देश के पहले शिक्षा मंत्री थे। वे अपने विचारों, सिद्धांतों और राष्ट्रीय एकता के लिए हमेशा याद किए जाते हैं। उनका जीवन देश की आज़ादी और समाज सुधार के लिए प्रेरणास्रोत है। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म 11 नवंबर 1888 को मक्का में हुआ था। उनका असली नाम अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन था। उनके माता-पिता का संबंध एक धार्मिक और शिक्षित परिवार से था। उनके पिता मौलाना मुहम्मद खैरुद्दीन एक प्रतिष्ठित इस्लामी विद्वान थे और माँ अरब मूल की थीं। भारत, विशेषतः कलकत्ता में बसने के बाद आज़ाद को घर पर ही उनके पिता द्वारा अरबी, फ़ारसी, उर्दू, अंग्रेज़ी, गणित और इतिहास की शिक्षा दी गई। उन्होंने कभी किसी औपचारिक विद्यालय/विश्वविद्यालय का मार्ग नहीं चुना, बल्कि स्वाध्याय और पारिवारिक शिक्षाओं से ही विद्वत्ता प्राप्त की। आज़ाद बचपन से ही बौद्धिक गतिविधियों और तर्क-वितर्क में रुचि रखते थे। उन्होंने प्रारंभिक इस्लामी शिक्षा के अलावा उर्दू, हिंदी, अंग्रेज़ी, और फ़ारसी भाषा सीखी। वे पश्चिमी दर्शन, राजनीति शास्त्र और विज्ञान से भी प्रभावित हुए। मौलाना आज़ाद का दृष्टिकोण धार्मिक के साथ-साथ आधुनिक था, जिससे वे सामाजिक और राजनीतिक सुधारों के प्रति झुकाव रखते थे। मौलाना आज़ाद ने पत्रकारिता को समाज जागरण और राजनीतिक चेतना लाने का माध्यम बनाया। उन्होंने 1912 में 'अल-हिलाल' नामक उर्दू पत्रिका की शुरुआत की, जिससे हिंदू-मुस्लिम एकता और क्रांतिकारी विचारों का प्रचार किया गया। यह पत्रिका अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ तीव्र लेखनी चलाती थी, जिसके कारण 1914 में इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बाद में, 'अल-बालाग' और अन्य पत्र-पत्रिकाएँ भी प्रकाशित कीं। आज़ाद ने पत्रकारिता के माध्यम से हिंदू-मुस्लिम भाईचारे और स्वतंत्रता की अलख जगाई। मौलाना आज़ाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। वर्ष 1920 में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन में वे सक्रिय रूप से शामिल हुए। वे 1923 में कांग्रेस के सबसे युवा अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 1940-1946 तक कांग्रेस अध्यक्ष बने रहे, जब "भारत छोड़ो" आन्दोलन अपने चरम पर था। उनका मानना था कि भारत की आज़ादी समान रूप से सभी धर्मों के लोगों की है और विभाजन के कठोर विरोधी थे। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक रहे। खिलाफत आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कई बार उन्हें जेल जाना पड़ा, जिनमें रांची और मेरठ जेल शामिल हैं। शिक्षा मंत्री के रूप में आज़ाद के बाद मौलाना आज़ाद भारत के पहले शिक्षा मंत्री बने। उन्होंने भारतीय शिक्षा



प्रणाली में सुधार हेतु अनेक कदम उठाए। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान, संगीत अकादमी आदि संस्थानों की स्थापना में योगदान दिया। उनकी नीति प्रमुख रूप से 'शिक्षा सबके लिए' पर आधारित थी। वे विनम्रता, समावेशिता और ज्ञान के प्रचार के समर्थक रहे। मौलाना आज़ाद के प्रयासों से भारतीय शिक्षा व्यवस्था का आधार मजबूत हुआ और व्यावसायिक, प्राथमिक तथा उच्च शिक्षा का विस्तार हुआ। मौलाना आज़ाद न केवल राजनेता बल्कि उल्टाए लेखक एवं कवि भी थे। उनकी रचनाएं भारतीय समाज, धार्मिक और राष्ट्रवाद के भावना को व्यक्त करती हैं। उन्होंने कुरान के विभिन्न पहलुओं और दर्शन पर कई पुस्तकें लिखीं। उनकी प्रसिद्ध कृति "गुल्लार-ए-खातिर" है, जिसमें उन्होंने अपने विचार, अनुभूतियाँ और पत्र लिखे। मौलाना आज़ाद के विचार जीवन की समावेशिता, सहिष्णुता और मानवीयता के पक्षधर थे। वे कट्टरता के विरोधी और एकता के समर्थक थे। उनकी सोच नई पीढ़ी को परिश्रम, प्रेम तथा देश-भक्ति के मार्ग पर प्रेरित करती है। उन्होंने हमेशा संप्रदायवाद, जातिवाद और भेदभाव का विरोध किया और भारतीयता की संकल्पना को आगे बढ़ाया। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का निधन 22 फरवरी 1958 को दिल्ली में हुआ। उनकी याद में हर वर्ष 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' मनाया जाता है। उनके योगदान को भारत सरकार तथा समाज द्वारा हमेशा सम्मान दिया गया। भारत रत्न से भी उन्हें नवाजा गया। उनका जीवन, विचार और योगदान आज भी प्रेरणा देते हैं। शिक्षा, एकता और समाज सुधार में उनके विचारों की प्रासंगिकता हमेशा बनी रहती है। मौलाना आज़ाद भारतीय इतिहास के ऐसे स्तंभ हैं, जो हर पीढ़ी को जागरूकता, सेवा और सत्य के मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

एक रहस्यवादी कवि थे सूफ़ी फरीदुद्दीन अत्तार

12 वीं सदी के दौर में इस्लामिक जगत के महानतम सूफ़ियों में फ़रीदुद्दीन अत्तार प्रमुख थे, इनका असली नाम अबू हमीद इब्न अबू बक्र इब्राहीम था, लेकिन वे फ़रीदुद्दीन अत्तार के नाम से विख्यात हुए। इनका जन्म सन् 1145-1146 ई में निशापुर, (ईरान) में हुआ था और मृत्यु सन् 1221 ई में (आयु 74-75 की आयु) चंगेज खॉं के फ़ारस पर आक्रमण के समय 1221 ई में एक सैनिक के हाथों हुई जो इनकी सूफ़ियाना प्रकृति से चिढ़ गया था। इनकी कब्र (मरज़ा-ए-ख़लाइक) निशापुर, (ईरान) में है। अत्तार के पिता का नाम इब्राहीम बिन इसहाक़ है, और वे इत्र तथा दवाइयों का कारोबार करते थे और शायद एक समृद्ध रसायनज्ञ थे। फ़रीदुद्दीन अत्तार ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेख शिक्षा प्राप्त की थी। पिता के देहात के बाद फ़रीदुद्दीन अत्तार ने अपने पिता का काम काज संभाल लिया। इस तरह पैसों से वह एक आधुनिक शहर के डॉक्टर और फार्मासिस्ट के समान थे और लोगों को चिकित्सा सेवा देते थे, इसके साथ ही सूफ़ी विचारधारा को भी बढ़ावा देते थे। उनकी विरक्ति के सम्बन्ध में एक घटना प्रसिद्ध है। इस घटना का उल्लेख मौलाना शिब्ली ने शेर-उल-अजम में किया है कि फ़रीदुद्दीन अत्तार अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। कहीं से एक फ़क़ीर वहां आ पहुंचा और उनकी दुकान की ठाट बाट को देर तक देखता रहा। अत्तार ने झल्ला कर उस से कहा-बयों व्यर्थ अपना समय नष्ट करते हो, जाओ और अपनी राह लो! फ़क़ीर ने कहा-तुम अपनी चिंता करो! मेरा जाना कौन सा कठिन कार्य है? तो! मैं चला। यह कह कर वह वहीं पर लेट गया। फ़रीदुद्दीन अत्तार ने जब उठकर देखा तो उस के प्राण निकल चुके थे। इस घटना ने फ़रीदुद्दीन अत्तार के हृदय में विरक्ति की लौ लगा दी। उन्होंने खड़े खड़े अपनी दुकान लुटा दी और फ़क़ीर वहां गए। आखिरकार, उन्होंने अपने फार्मसी स्टोर को छोड़ दिया और व्यापक रूप से यात्राएं



की - वे बगदाद, बसरा, कूफ़ा, मक्का, मदीना, दमिश्क, ख़ारिफ़्म, तुर्किस्तान, और भारत, सूफ़ी शायख से मिलकर - और सूफ़ी विचारों को बढ़ावा देते हुए वापस लौटे। उन्होंने अपने समय के प्रसिद्ध सूफ़ी शेख रुन्नुद्दीन को अपना मुशिद बनाया। अत्तार ने सूफ़ियाना कविताएँ और दर्शनात्मक ग्रंथ लिखे जिनमें "मंतीक अल-तायर" (पक्षियों की सभा) और "इलाही-नामा" प्रमुख हैं। उनकी कविताएँ धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर केंद्रित थीं और उन्होंने सूफ़ीवाद के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने धार्मिक संतों और सूफ़ियों की जीवनी संकलित की और 'तज़किरातुल-ओलिया' नामक ग्रंथ लिखा। कहा जाता है कि अत्तार के जीवन के बारे में जानकारी दुर्लभ है। उनका (फ़रीदुद्दीन अत्तार का)उल्लेख उनके दो समकालीनों, 'अफी और तुसी' द्वारा किया गया है। फ़रीदुद्दीन अत्तार की रचनाओं में चतुर्पदियों, चतुर्दशपदियों और द्विपदियों की अधिकता है। कहा जाता है, इन्होंने एक लाख बीस हजार पद (कप्लेट्स) लिखे। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- तज़किरातुल-ओलिया, पंदनामा, "मंतीक अल-तायर" इलाहीनामा, दीवान-ए-अत्तार, कुलियात-ए-अत्तार आदि। "मंतीक अल-तायर"

में पक्षियों की सभा का आध्यात्मिक रूपकात्मक वर्णन मिलता है जिसमें साधनात्मक एवं आध्यात्मिक रहस्यों का उद्घाटन किया गया है। काव्य, अध्यात्म और दर्शन (सूफ़ी) का उच्च कोटि का समन्वय इनके काव्य में मिलता है। सरल, सुबोध, मधुर एवं स्पष्ट शैली के साथ विरोधाभास कथन की प्रकृति इनकी अपनी विशेषता है। फ़रीदुद्दीन अत्तार ईरान के सबसे प्रसिद्ध रहस्यवादी कवियों में से एक है। उनकी रचनाएँ रूमी और कई अन्य रहस्यवादी कवियों की प्रेरणा थीं। फ़रीदुद्दीन अत्तार का, सनाई के साथ रूमी पर भी सबसे बड़ा प्रभाव था। रूमी ने अपनी कविता में कई बार सनाई और अत्तार दोनों का सर्वोच्च सम्मान के साथ उल्लेख किया है। रूमी ने अत्तार की, प्रशंसा इस प्रकार की है: "अत्तार इश्क के सात शहरों से गुज़रा है, जबकि हमने पहली गली को मुश्किल से पार किया है।" फ़रीदुद्दीन अत्तार की प्रमुख रचनाएं - इलाही-नामा- अत्तार का एक और प्रसिद्ध काव्य है, जिसमें 6500 छंद हैं। रूप और सामग्री के संदर्भ में, इसमें बर्ड पालियामेंट के साथ कुछ समानताएँ हैं। कहानी एक राजा की है जो अपने छह बेटों की भीतिकवादी और

सांसारिक मांगों के साथ सामना करती है। राजा अपने छह बेटों की अस्थायी और संवेदनहीन इच्छाओं को उन्हें बड़ी संख्या में आध्यात्मिक कहानियों से दूर करके दिखाने की कोशिश करता है। मुख्तार-नामा- मोख्तार-नामा(मुख्तार-नामा) में, रहस्यमय और धार्मिक विषयों का एक सुसंगत समूह उल्लिखित है (मिलन के लिए खोज, विशिष्टता की भावना, दुनिया से दूर होना, सत्यानाश, विस्मय, पीड़ा, मृत्यु के प्रति जागरूकता, आदि) और एक समान रूप से समृद्ध समूह। विषयवस्तु रहस्यमय साहित्य की कविता की विशिष्टताओं (प्रेम, असंभव मिलन, प्रियजन की सुंदरता, प्रेम अत्तार दोनों का सर्वोच्च सम्मान के साथ अलग करना) की पीड़ा आदि है। अत्तार का एकमात्र ज्ञात गद्य काम है जो उन्होंने अपने पूरे जीवन में किया था और जो उनकी मृत्यु से पहले सार्वजनिक रूप से उपलब्ध था। मुस्लिम संतों और मनीषियों की जीवनी है। इस पुस्तक में जो सबसे सम्मोहक प्रविष्टि मानी जाती है, मंसूर अल-हलाज के वध की कहानी से संबंधित है। अत्तार का दीवान- फारसी में रचित है। इसमें गज़ल के ("गीत") रूप में लगभग पूरी तरह से

कविताओं में समाहित है, क्योंकि उन्होंने मोख्तार-नाम नामक एक अलग काम में अपनी रूबी ("यात्रा") एकत्र की। कुछ क़सीदा ("ओड्स") भी हैं, लेकिन वे दीवान के एक-सातवें हिस्से से कम हैं। उनका क़ासीदा रहस्यमय और नैतिक विषयों और नैतिक उपदेशों पर प्रकाश डालता है। आम तौर पर शास्त्रीय इस्लामी सूफ़ीवाद की परिचित प्रतीकात्मक भाषा में आध्यात्मिक अनुभवों को दर्शाती हैं। अन्य रचनाएं :- असरार-नामा मंतीक अत तैर- अल-तयूर मुसीबत नामा इलाही-नामा जवाहिर-नामा शरह अल-क़ल्ब अत्तार की प्रसिद्ध रचना- मंतीक अल तयूर में पक्षियों के सम्मेलन में आध्यात्मिकता के सात चरणों का वर्णन किया है :- 1.खोज की घाटी (वादी ए तलब) 2.प्रेम और स्नेह की घाटी (वादी ए इश्क़) 3.बुद्धिमात की घाटी (वादी ए हैरत) 4.त्याग की घाटी (वादी ए स्तगना) 5.एकत्व की घाटी (वादी ए तौहीद) 6.विस्मय की घाटी (वादी ए फ़िक्र व फ़ना) 7.अंतर्ज्ञान की घाटी (वादी ए मारिफ़त) फ़रीदुद्दीन अत्तार के मुताबिक :- "मृत्यु ने न तो मूर्ख को छोड़ा और न बुद्धिमान को उसके लिए भले और बुरे समान है।" "जो कुछ मैंने अपनी इन आँखों से देखा है वह किसी को भी दिखाई नहीं दिया और जो बोझ मैंने अपने हृदय के कारण उठाया है, वह किसी ने भी नहीं उठाया है।" "प्रेम का एक कण भी सारे संसार से बढ़कर मूल्य रखता है और तनिक सी पीड़ा संपूर्ण संसार के प्रेमियों से बढ़कर बात है।" "अत्तार की रचनाओं का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है और उनके बारे में किताबें ईरान और दुनिया भर में प्रकाशित हुई हैं; वह फ़ारसी कवियों में से हैं जिनकी रचनाओं को इटली में खूब सराहा गया है; और उनमें से पांच का इतालवी में अनुवाद किया गया है।

-फ़ज़लुर्रहमान

नगर निगम में पार्श्वों का शासन समाप्त

-नगर निगम अधिकारी कर्वाएंगे जनता के काम

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर ग्रेटर और हेरिटेज में शुक्रवार 8 नवंबर को पार्श्वों का शासन समाप्त हो गया यानी पार्श्वों एवं महापौर का 5 वर्षीय कार्यकाल समाप्त हो गया। नगर निगम में जनता का काम अब नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा किया जाएगा। बिना पार्श्वों के जयपुर शहर के वार्डों में सफाई, सीवर, सड़क, मरम्मत एवं गंदी नालियों का काम कैसे होगा आने वाला समय बताएगा। वैसे माना जा रहा है कि नगर निगम के कार्यों पर पार्श्वों के नहीं होने का ज्यादा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि नगर निगम में सक्षम अधिकारी हैं जो पार्श्वों की राजनीति के सामने दबाव में रहते थे, जबकि अब आसानी से कार्य करवा सकेगें। वैसे पार्श्व दत्त जनता के छोटे-छोटे कार्य जैसे राशन कार्ड संशोधन, मूल निवास प्रमाण पत्र, आरटीई आवेदन और पुलिस सत्यापन आदि करवाने में मदद करते थे। लेकिन अब जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।



कर पाएंगे और गंदगी, सीवर, टूटी-फूटी सड़कों एवं अतिक्रमण की समस्या बढ़ सकती है।

व्या करना चाहिए-
नगर निगम जयपुर के नागरिकों को अब थोड़ा सचेत होने की जरूरत है। क्योंकि सरकार में जितने भी कर्मचारी एवं अधिकारी हैं सब के सब जनता की सेवा एवं जनता के कार्यों के लिए हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि जनता की समस्याओं का तत्परता से समाधान करें। यदि कोई भी कर्मचारी एवं अधिकारी आपकी सफाई, सीवर, बिजली, अतिक्रमण, पानी एवं अन्य कोई समस्या का समाधान नहीं करता है तो मुख्यमंत्री का संपर्क पोर्टल पर शिकायत की जा सकती है। इस संपर्क पोर्टल पर शिकायत करने के लिए अपने मोबाइल से 181 पर डायल करके शिकायत दर्ज होती है। इसके अलावा 2607500, 2747400 (कचरा गाड़ी, सीवेरज) 14420 (टोल फ्री) नंबर पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। अधिकारी और कर्मचारी यदि काम नहीं करते हैं और आप उनकी शिकायत करते हैं तो सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही कर सकती है। यदि बार-बार शिकायत करने पर भी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी आपकी शिकायत पर ध्यान नहीं देते हैं तो सरकार उनको हटा भी सकती और आपकी समस्या का समाधान अन्य तरीके से करवा सकती है।

एपीसीआर ने एसआईआर पर कानूनी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ सिविल राइट्स (APCR), राजस्थान चैप्टर की ओर से "विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision)" विषय पर एक कानूनी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन एक होटल में किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव APCR नदीम खान रहे। उन्होंने नागरिक अधिकारों की रक्षा, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की नींव होते हैं। विशेष अतिथि राहुल शास्त्री राष्ट्रीय सचिव भारत गहन पुनरीक्षण से संबंधित कानूनी पहलुओं और नागरिक अधिकारों की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि निशा सिद्धू राष्ट्रीय सचिव NFWI जिन्होंने जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मतदाता सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया।



कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन भाषण से एडवोकेट सैयद सआदतअली अध्यक्ष APCR राजस्थान ने की। कार्यक्रम का संचालन मुजम्मिल रिजवी महासचिव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एडवोकेट मोहम्मद इकबाल के द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में APCR राजस्थान चैप्टर की ओर से राज्य में आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसमें प्रत्येक जिले में कानूनी जागरूकता शिविर, युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम और मतदाता सूची सत्यापन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। संगठन ने यह भी तय किया कि नागरिक अधिकारों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन एवं लीगल एड नेटवर्क विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम में जॉइंट सेक्रेटरी मुनाजिर इस्लाम, एजीक्यूटिव मेंबर रुखसाना उस्मान, असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर मोहम्मद आबिद खान, असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर रब्बे कुमा खान, भारत जोड़ो अभियान राजस्थान के संयोजक रमन यादव, जयपुर यूनिट एपीसीआर के सचिव मोहम्मद अंसार, सरवर खान मेंबर राजस्थान मुस्लिम फॉर्म, अंकुश गाबा आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

भिश्ती समाज ने की वक्फ बोर्ड चैयरमेन से मुलाकात



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर भिश्ती समाज की सभी पंचायतों के पटेलों, बुजुर्गों व कई संस्थाओं ने एक साथ संयुक्त रूप से मंगलवार 4 नवंबर को वक्फ बोर्ड चैयरमेन खानु खान बुधवाली से मुलाकात की और भिश्ती समाज के उत्थान के लिए जमीन की मांग रखी। भिश्ती समाज के प्रवक्ता शरीफ खान अब्बासी ने बताया कि भिश्ती समाज के पास ना कोई स्कूल है, ना कोई हॉस्पिटल है, ना कोई सामुदायिक केंद्र है और ना ही कोई ऐसी ज़मीन है जिससे समाज का उत्थान किया जा सके। यदि भिश्ती समाज को ये ज़मीन आवंटित हो जाती है तो अन्य समाज की तरह भिश्ती समाज भी विकास की मुख्य धारा में आ सकेगा। इस मौके पर भिश्ती समाज फौलखाना पंचायत, फतेह टीबा पंचायत, मोटिबंगला पंचायत, बड़ी पंचायत, बीजवाड पंचायत, नाहरी का नाका पंचायत, मेम्बरान पंचायत के जिम्मेदार मौजूद रहे, साथ ही राजस्थान भिश्ती समाज विकास समिति, शेख जमीयतुल अब्बास भिश्ती, सक्का, अब्बासी संस्था व अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक साथ एक पत्र पर संयुक्त ज्ञापन दिया और एकता का परिचय दिया।

जयपुर में वकीलों का हंगामा थमा

-चार सूत्रीय सहमति से खत्म हुआ चक्काजाम
-अधिवक्ता से मारपीट पर बार एसोसिएशन सख्त, FIR व सस्पेंशन पर बनी सहमति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में अधिवक्ता देवेन्द्र मीणा से मारपीट के बाद 6 नवंबर को राजधानी में वकीलों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। सड़क पर वकीलों ने प्रदर्शन कर चक्काजाम कर दिया। बताया गया आदर्श नगर थाने में अधिवक्ता देवेन्द्र मीणा के साथ हुई मारपीट के विरोध में जयपुर के वकीलों ने किया चक्काजाम। करीब 1 घंटे तक जाम रहा रास्ता। आखिरकार पुलिस प्रशासन को आना पड़ा हरकत में, डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद पहुंचे मौके पर और वकीलों से की लंबी बातचीत। जिसके बाद बनी चार सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति। सहमति में अधिवक्ता की ओर से FIR दर्ज की जाएगी। परिवार में नामजद पुलिसकर्मी सरपेंड



होंगे/जांच उच्च अधिकारी को सौंपी जाएगी। अगर किसी वकील के खिलाफ कोई मामला बनता है तो पहले बार एसोसिएशन को दी जाएगी जानकारी। उसके बाद ही होगी कार्रवाई। मनीष गगरानी, जनरल सेक्रेटरी - बार एसोसिएशन ने बताया "हमारे अधिवक्ता देवेन्द्र मीणा को चार दिन तक थाने बुलाकर बैठाया गया, उनके साथ अभद्रता की गई और मारपीट तक हुई। इसी अन्याय के खिलाफ आज पूरा अधिवक्ता समुदाय एकजुट हुआ।" सहमति बनने के बाद वकीलों ने रास्ता खोला और ट्रैफिक व्यवस्था बहाल हुई।

विकास कार्य करवाने के लिए विधायक को ज्ञापन दिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रविवार 9 नवंबर को जमाव रामगढ़ ग्राम पंचायत लागूयावास की विभिन्न समस्याओं के बारे में क्षेत्र के विधायक को महेंद्रपाल मीणा को अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत के पाँचों गांव के सभी शमशान घाटों के टीन सेट, पालेडा रोड से माताजी मंदिर तक सी सी रोड, नायला रोड से भूमिया जी महाराज तक डंगरवाड़ा रोड से नदी की ढाणी तक डामर रोड, नायला रोड से



बदलियां की ढाणी तक डामर रोड बनवाने के लिए विधायक महेंद्रपाल मीणा को ज्ञापन दिया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शमशान घाटों के टीन सेट और सड़कें जल्द से जल्द बनवाने की कोशिश करेंगे।

मंसूरी समाज का अधिवेशन कुचामन सिटी में आयोजित

-हाजी सफी मोहम्मद मंसूरी ने की अधिवेशन की अध्यक्षता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय मंसूरी समाज संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का अधिवेशन रविवार को कुचामन सिटी नागौर में संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी सफी मोहम्मद मंसूरी की अध्यक्षता एवं महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद गौरी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशेष अतिथि संगठन के राष्ट्रीय महासचिव हाजी इस्माइल मंसूरी व सह संगठन के राष्ट्रीय सचिव हाजी गुलाम रसूल मंसूरी थे प्रोग्राम का संयोजन मुस्ताक अली मंसूरी ने किया। इसमें संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे जिसमें संस्थान के राष्ट्रीय सदस्य अरशद अमन मंसूरी, पूर्व प्रदेश महासचिव निजाम मंसूरी, शहाबुद्दीन मंसूरी आदि ने अपने विचार रखे। अधिवेशन को संबोधित करते हुए संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी सफी मोहम्मद मंसूरी ने कहा कि समाज के पिछड़े पन को दूर करने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है समाज में बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि लड़कियां दो घर संवारी है एक सरसाल का वह दूसरा मायके का। समाज को जागरूक होना



जरूरी है साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सियासत में हिस्सेदारी की मांग की राष्ट्रीय महासचिव हाजी मोहम्मद इस्माइल ने कॉम के प्रतिभावान बच्चों के लिए करियर गाइडलाइंस व कोचिंग व्यवस्था प्रारंभ करना चाहिये। राष्ट्रीय महासचिव गुलाम रसूल मंसूरी ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों व बुराईयों को बंद करने व फिजूल खर्चों को रोकने पर जोर दिया जाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद गौरी ने बताया कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु मिशन एजुकेशन 2030 का जिक्र करते हुए राष्ट्रीय कोर कमेट्री बनाने पर जोर दिया। मुश्ताक अली ने बताया कि संस्थान द्वारा

विगत 8 वर्षों से किया जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और संस्था के उद्देश्यों को बताया साथ ही निजाम मंसूरी ने लोगों से अपील कर संस्थान के साथ जुड़ने व मंसूरी समाज को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में अब्दुल गौरी मंसूरी, सरवर तंवर मंसूरी, अब्दुल रहीम मंसूरी, मोहम्मद सलीम तंवर मंसूरी, अजीज मंसूरी, अल्तामश मंसूरी, अमेश मंसूरी, मुस्तफा मंसूरी, मुदस्सिर मंसूरी, मोहम्मद सोलंकी, रिजवान मंसूरी, युसुफ सोलंकी आदि समाज के कई मोअजीज लोग उपस्थित थे और सब ने संस्थान को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

गलता गेट थाना पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों को पकड़ा

-7 भारी वाहन और एक ऑपन जीप को जप्त किया



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आई.पी.एस. ने बताया कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय द्वारा 4 नवम्बर से 18 नवम्बर 2025 तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान संचालित किया गया है। जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना एवं मृत्यु दर घटाना, यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करना, सड़क उपयोगकर्ताओं में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना, सड़क अर्थोसंरचना एवं आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ़ करने के संबंध में निर्देशित किया गया है जिसके तहत थाना क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 48 पर यातायात सुदृढ़ करने, ओवर लोडिंग वाहनों, शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ तथा रोंग साईड वाहन चलाने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक कार्यवाही करने के हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर डॉ. दुर्गासिंह राजपुरोहित अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन में एवं हरिशंकर शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज जयपुर उत्तर के निर्देशन में धर्म सिंह पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना गलतागेट जयपुर उत्तर के नेतृत्व में गिरिराज उ.नि. एवं थाना स्टफ की विशेष टीमों गठित की जाकर दिये गये दिशा निर्देशों की पालना में कार्यवाही आरम्भ की गई। दौरान कार्यवाही विशेष अभियान के तहत नेशनल हाईवे पर चलने वाले ओवर लोडिंग कुल 4 भारी वाहन, एक बिना नंबर आओवर लोडिंग भारी वाहन तथा

सम्मान से उत्कृष्ट कार्यों को मिलती है पहचान- डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा

-समर्पण संस्था का 10वां राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2025 अवार्ड समारोह हुआ आयोजित
-देश भर से चयनित 44 विभूतियों को "समर्पण समाज गौरव 2025" और 16 युवा प्रतिभाओं को "समर्पण युवा जाग्रति 2025" अवार्ड से नवाजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान दुर्गापुरा स्थित सियाम ऑडिटोरियम में आयोजित 10वें राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2025 अवार्ड समारोह में देश भर से चयनित 44 विभूतियों को 16 श्रेणियों में "समर्पण समाज गौरव 2025" और 16 युवा प्रतिभाओं को "समर्पण युवा जाग्रति 2025" अवार्ड से उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि "उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान से पहचान, उर्जा व प्रोत्साहन मिलता है। समाज हित में समर्पण के भाव से कार्य करने पर ही जीवन सार्थक बनता है।" डॉ. मेहरड़ा ने कहा कि "हम परिवार, समाज, पर्यावरण व धरती से बहुत कुछ लेते हैं। इतना लेने के बाद हमें वापस लौटने की प्रवृत्ति भी जागृत करनी चाहिये। इस भाव को और मजबूत करने का प्रयास समर्पण संस्था कर रही है।" इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत दीप दीप प्रज्वलन व समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे संस्था के कोषाध्यक्ष राम अवतार नागरवाल, सुश्री अंजली माल्या, सुश्री सुवर्णा माल्या ने उच्चारित करवाया। समर्पण संस्था की एक परिचयात्मक फ़िल्म (डॉक्यूमेंटरी) प्रदर्शित की गई जिसमें संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी का स्वागत अभिन्न भाव से



हुए संस्था की विचारधारा को विस्तृत रूप में बताया। समारोह में 16 श्रेणियों में दिए गए अवार्डों में मुख्य रूप समाज सेवा में "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव 2025" छतरपुर मध्यप्रदेश के संगम सेवाल्य को, शिक्षा के लिए "डॉ. राधाकृष्णन समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. कैलाश चन्द्र बुनकर को, सामाजिक न्याय के लिए "डॉ. अम्बेडकर समर्पण समाज गौरव 2025" पाली के राकेश पंवार को, चिकित्सा में "डॉ. विधान चन्द्र राय समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. राकेश केदावत को, साहित्य में "मुन्शी प्रेम चन्द समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. घनश्याम भारती को, शोध व आविष्कार में "डॉ. अब्दुल कलाम समर्पण समाज गौरव 2025" उत्तराखंड के सुक्रम पाल सिंह को, खेलकूद में "मेजर ध्यानचंद समर्पण समाज गौरव 2025" ब्रह्म कुमार आशीष भाई को, आध्यात्म में "बाबा हरदेव सिंह समर्पण समाज गौरव 2025" आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया को, पर्यावरण में "सुन्दर लाल बहुगुणा समर्पण समाज गौरव 2025" हरियाणा के डॉ. मख्खन

अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग करने वाले दो मुल्जिम गिरफ्तार

-21 घरेलू एलपीजी गैस सिलेण्डर, 01 इलेक्ट्रॉनिक वेईंग मशीन, 01 इलेक्ट्रॉनिक मोटर मय पाईप मय रेगुलेटर मय नोजल व तीन ओटो रिक्शा जप्त



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। करण सानी पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया कि आयुक्तालय जयपुर शहर उत्तर में घरेलू गैस सिलेण्डर से अवैध रूप से रिहायसी ईलाके व कॉलोनियों के मध्य ईलाको में वाहनों में घरेलू गैस सिलेण्डर से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग की शिकायत मिलने पर शिकायत की तस्दीक व नियमानुसार कार्यवाही हेतु बजरंग सिंह अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर द्वितीय के निर्देशन में राजेन्द्र कुमार सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त कोतवाली जयपुर उत्तर व हवासिंह मंगवा पु.नि. थानाधिकारी जालूपुरा जयपुर उत्तर के नेतृत्व में माया मीणा, बनवारी लाल स.उ.नि., झाबरमल हैड कानि न.1071, काशीराम हैड कानि न.1220, शिवराज कानि न.10064 सुरेश चन्द कानि न.5639 की टीम गठित कर कार्यवाही की गयी। गठित टीम को ईलाका थाने में

चांद शाह बाबा की दरगाह के पास घरेलू एपीजी गैस सिलेण्डरों से अवैध गैस रिफिलिंग की सूचना मिलने पर उक्त टीम मोके पर पहुंची तथा मोहम्मद मोहसिन व मोहम्मद ताज के खिलाफ कार्यवाही हेतु पूजा शर्मा प्रवर्तन अधिकारी जिला रसद कार्यालय जयपुर शहर कलेक्ट्रेट जयपुर को मोके पर बुलाकर कार्यवाही की गयी। आरोपीगण के कब्जे से कुल 21 घरेलू एलपीजी गैस स्लेण्डर, एक इलेक्ट्रॉनिक वेईंग मशीन, एक इलेक्ट्रॉनिक मोटर मय पाईप मय रेगुलेटर मय नोजल को अभिग्रहण किया गया और पंडित गैस सर्विस के प्रतिनिधि सुरेश कुमार सैन को मोके पर बुलाकर सुपुर्दीगो में दिया गया तथा तीन ओटो रिक्शा को प्रकरण थाने में जम्ब किया गया। व मुल्जिमान को गिरफ्तार किया गया मुल्जिमानो से प्रकरण हाजा मे गहन अनुसंधान जारी है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SAR) कार्यक्रम के तहत घर-घर पहुंच रहे बूथ लेवल अधिकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिला निर्वाचन अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के तहत 4 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से परिगणना प्रपत्र भरवाने का कार्य किया जा रहा है। जयपुर जिले में विगत 5 दिनों में 15 लाख 45 हजार 448 परिगणना परिपत्रों का वितरण किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिले में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे परिगणना प्रपत्र भरने में बीएलओ का सहयोग कर सक्रिय भागीदारी निभाएं एवं संबंधित जानकारी यथासंभव उपलब्ध कराएं ताकि उनकी मैपिंग पूर्ववर्ती मतदाता सूची से की जा सके। जयपुर उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर परिगणना परिपत्रों का वितरण कर रहे हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी लगातार फील्ड में निरीक्षण कर रहे हैं। चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 10 हजार 948, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 37 हजार 533, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 1 हजार 652, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 359, चौमू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 7 हजार 121, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 2

सम्मान से उत्कृष्ट कार्यों को मिलती है पहचान- डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा

-समर्पण संस्था का 10वां राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2025 अवार्ड समारोह हुआ आयोजित
-देश भर से चयनित 44 विभूतियों को "समर्पण समाज गौरव 2025" और 16 युवा प्रतिभाओं को "समर्पण युवा जाग्रति 2025" अवार्ड से नवाजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान दुर्गापुरा स्थित सियाम ऑडिटोरियम में आयोजित 10वें राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2025 अवार्ड समारोह में देश भर से चयनित 44 विभूतियों को 16 श्रेणियों में "समर्पण समाज गौरव 2025" और 16 युवा प्रतिभाओं को "समर्पण युवा जाग्रति 2025" अवार्ड से उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि "उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान से पहचान, उर्जा व प्रोत्साहन मिलता है। समाज हित में समर्पण के भाव से कार्य करने पर ही जीवन सार्थक बनता है।" डॉ. मेहरड़ा ने कहा कि "हम परिवार, समाज, पर्यावरण व धरती से बहुत कुछ लेते हैं। इतना लेने के बाद हमें वापस लौटने की प्रवृत्ति भी जागृत करनी चाहिये। इस भाव को और मजबूत करने का प्रयास समर्पण संस्था कर रही है।" इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत दीप दीप प्रज्वलन व समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे संस्था के कोषाध्यक्ष राम अवतार नागरवाल, सुश्री अंजली माल्या, सुश्री सुवर्णा माल्या ने उच्चारित करवाया। समर्पण संस्था की एक परिचयात्मक फ़िल्म (डॉक्यूमेंटरी) प्रदर्शित की गई जिसमें संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी का स्वागत अभिन्न भाव से



हुए संस्था की विचारधारा को विस्तृत रूप में बताया। समारोह में 16 श्रेणियों में दिए गए अवार्डों में मुख्य रूप समाज सेवा में "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव 2025" छतरपुर मध्यप्रदेश के संगम सेवाल्य को, शिक्षा के लिए "डॉ. राधाकृष्णन समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. कैलाश चन्द्र बुनकर को, सामाजिक न्याय के लिए "डॉ. अम्बेडकर समर्पण समाज गौरव 2025" पाली के राकेश पंवार को, चिकित्सा में "डॉ. विधान चन्द्र राय समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. राकेश केदावत को, साहित्य में "मुन्शी प्रेम चन्द समर्पण समाज गौरव 2025" डॉ. घनश्याम भारती को, शोध व आविष्कार में "डॉ. अब्दुल कलाम समर्पण समाज गौरव 2025" उत्तराखंड के सुक्रम पाल सिंह को, खेलकूद में "मेजर ध्यानचंद समर्पण समाज गौरव 2025" ब्रह्म कुमार आशीष भाई को, आध्यात्म में "बाबा हरदेव सिंह समर्पण समाज गौरव 2025" आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया को, पर्यावरण में "सुन्दर लाल बहुगुणा समर्पण समाज गौरव 2025" हरियाणा के डॉ. मख्खन

कृषि पर्यवेक्षकों पर जानलेवा हमला, 24 घंटे में गिरफ्तारी न होने पर कार्य बहिष्कार को चेताया

सुकेत (राँयल पत्रिका)। क्षेत्र में कृषि पर्यवेक्षकों पर हुए प्राणघातक हमले को लेकर कृषि पर्यवेक्षक संयुक्त समन्वय समिति ने प्रशासन के खिलाफ रोष जताया है। संगठन ने आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि ऐसा नहीं होता है तो जिले के सभी कृषि पर्यवेक्षक और सहायक कृषि अधिकारी पेनडाउन हड़ताल कर राजकार्य का बहिष्कार करेंगे। इस मामले में ज्ञापन देते हुए बताया कि घटना 31 अक्टूबर की सुबह लगभग साढ़े 9 बजे की है। कृषि पर्यवेक्षक भगवान प्रसाद मीणा और केलाशचंद्र मीणा हेमलखंडी में कृषि यंत्र का भौतिक सत्यापन कर रामगंजमंडी ग्रामीण सेवा शिविर लौट रहे थे। इसी दौरान ईश्वर मीणा और कालूाल मीणा ने घात लगाकर उन पर लाठी से वार किया, जिससे दोनों पर्यवेक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले के विरोध में कृषि पर्यवेक्षक संयुक्त समन्वय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर, एसपी और संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार जिला परिषद कोटा को



ज्ञापन दिया। उन्होंने हमले के सात दिन बीत जाने के फसले बुआई के पीक सीजन के बीच कार्मिकों में असुरक्षा का माहौल संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में फसल बुआई का महत्वपूर्ण सीजन चल रहा है। इस दौरान किसानों को खाद-बीज वितरण, फसल बीमा, प्रयोग एवं प्रदर्शन मिनीकित वितरण और अन्य विभागीय अनुदान का कार्य बाधित हो सकता है। अपराधियों को 24 घंटे में गिरफ्तार नहीं किया गया तो कार्य का बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान कृषकों के अनुदान में बाधा उत्पन्न होती है तो इसकी

सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। संगठन के पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि वे किसान हित में नियमानुसार राजकार्य कर रहे हैं। हमलावरों की गिरफ्तारी न होने से कार्मिकों में असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों पर सख्त धाराओं में कार्रवाई करने और उन्हें भयमुक्त कार्य व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने की बात कही। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष प्रभुलाल धाकड़, उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सोलंकी, जिला महामंत्री गोविंद नागर, शेख आदि मौजूद रहे।

दरा की नाल के पास 10 करोड़ से रेलवे अंडरब्रिज का कार्य शुरू

-पांच माह में पूरा करने का लक्ष्य, जाम से मिलेगी राहत

सुकेत (राँयल पत्रिका)। क्षेत्र में दरा की नाल में चली आ रही जाम की समस्या से अगले 5 महीनों में राहत मिलेगी। स्थाई समाधान के लिए कोटा-झालावाड़ मार्ग पर यातायात सुगम बनाने के लिए नया रेलवे अंडरब्रिज यानी (आरयूबी) बनाने का काम शुरू हो गया। इस पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे। दरा की नाल क्षेत्र में आए दिन जाम के हालात बनते हैं। इसके चलते कई वर्षों से क्षेत्रवासी स्थाई समाधान की मांग कर रहे थे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 28 अक्टूबर को ही रामगंजमंडी दौरे के दौरान क्षेत्रवासियों को एक सप्ताह के भीतर आरयूबी का कार्य शुरू करवाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद गुरुवार को नाल के समीप कार्य शुरू कर दिया गया। पहले दिन जेसीबी से निर्माण के स्थान पर सफाई का कार्य शुरू किया है। कार्य के लिए वर्क आर्डर भी जारी कर दिया गया है। आरयूबी का कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग (एनएच खंड) के क्षेत्र में मुकंदरा टाइगर रिजर्व के बीच से गुजर रहे नेशनल हाइवे 52 पर बीच में टूट लेने रोड है। जबकि, टाइगर रिजर्व से झालावाड़ की ओर कमलपुरा से लेकर तीन धार तक और दूसरी तरफ दरा स्टेशन से लेकर कोटा तक फोर लेन बन चुका है। कमलपुरा से टाइगर रिजर्व होते हुए दरा स्टेशन पर केवल टूट लेने रोड होने से भारी ट्रैफिक के चलते आए दिन जाम के हालात बनते हैं। इस दौरान सबसे



अधिक समस्या यहां टनल व रेलवे पुलिया के पास आती है। नाल में रेलवे पुलिया के यहां एक समय में एक वाहन ही निकल सकता है। ऐसे में इसके समीप वाहन खराब होने व बारिश के दौरान टनल में दोनों ओर के वाहनों की आवाजाही होने से यहां पर वाहन धीमी गति से निकलते हैं। इससे जाम के हालात बनते हैं। साथ ही यहां 8 लेन के ट्रैफिक का दबाव भी बना हुआ है। इस कारण पिछले 3 वर्षों से हालात अधिक बिगड़े हुए हैं। यहां लगातारजाम में अब तक 1 मासूम और दो लोगों जाम में फंसने के कारण अब तक 3 मौतें हो चुकी हैं। इसमें डेढ़ वर्ष का मासूम भी शामिल है। एनएच 52 पर दरा जाम में फंसने से खैराबाद निवासी अमीन टेलर (55) की मौत हो गई है। 24 फरवरी को भटवाड़ा के डेढ़ वर्षीय हरिओम जाम के कारण समय पर अस्पताल नहीं पहुंचा और रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसी प्रकार 9 फरवरी को इतना ही नहीं, इससे पूर्व जनवरी

में एक गंभीर मरीज को झालावाड़ से कोटा लेकर जाने के दौरान एंबुलेंस जाम में फंस गई थी। इससे की नाल में जाम की समस्या के समाधान के लिए एनपीसीएआई, पीडब्ल्यूडी और आरएसआरडीसी ने पाया। इससे पूर्व वर्ष 2024 में 29 जुलाई को राज्य सरकार की घोषणा में दरा टनल के दूसरी ओर अलग-अलग स्तर पर प्रयास किए थे। इसके तहत 1 महीने पूर्व भटवाड़ा का निर्माण पूरा कर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। रियासतकालीन पुलिया को भी अस्थाई रूप से ट्रैफिक के लिए खोला गया था। लेकिन स्थाई समाधान नहीं मिल अंडरपास बनाने के लिए 15 करोड़ की घोषणा की गई थी। इसके बाद प्रक्रिया शुरू कर उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेजे गए थे, लेकिन इसके बाद कार्य शुरू नहीं हो पाया था। ऐसे में अब आरयूबी का कार्य शुरू किया गया है। लोगों को राहत मिलेगी।

रामगंज मंडी के वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई परिवार सहित उमरा पर रवाना हुए

डॉ. तोहिद सुकेत (राँयल पत्रिका)। रामगंजमंडी के प्रख्यात वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई अपने परिवार सहित उमराह की पवित्र यात्रा के लिए शुक्रवार को सऊदी अरब के लिये शाम 6 बजे जयपुर सुपरफास्ट ट्रेन से मुंबई के लिए रवाना हुए, जहाँ से वह रविवार सुबह 9 बजे जद्दा सऊदी अरब के लिए उड़ान भरेंगे। उनके साथ पति नजमा बी पुत्रि शरमीन एवं भाई सरफराज मोहम्मद व उनकी पत्नि सबीना भी गई है इस मौके पर उनके साथियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने रेलवे स्टेशन पहुँचकर उन्हें विदा किया और शुभकामनाएँ दीं।



बधाईयाँ दीं। सभी ने दुआ की कि यह यात्रा सफल, हो पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि "साबिर भाई सदैव पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं, और उनकी यह पवित्र यात्रा हमारे लिए गर्व का विषय है।"

लापरवाही बरतने पर बीएलओ निलंबित, 4 को 16 सीसीए के नोटिस

शब्बीर हुसेन बारां (राँयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहित सिंह तोमर ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अन्तर्गत कार्य में लापरवाही बरतने पर रविवार को विधानसभा क्षेत्र किशनगंज के भाग संख्या 72 के बूथ लेवल अधिकारी सुमेश कुमार उच्च विद्यालय सहायक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कांकड़दा को निलंबित कर दिया है। वहीं 4 बीएलओ के विरुद्ध 16 सीसीए के अन्तर्गत नोटिस जारी किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश के अनुसार कार्मिक द्वारा अभी तक परिगणना प्रपत्र वितरित नहीं किए गए हैं। इस संबंध में सुपरवाइजर द्वारा बार-बार हिदायत देने के बावजूद भी गणना प्रपत्र वितरित नहीं किए गए जिससे परिगणना प्रपत्र की वितरण की प्रगति शून्य

रही है। कार्मिक सुमेश कुमार वर्मा को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। निलम्बन काल के दौरान कार्मिक का मुख्यालय नियंत्रण कक्ष जिला निर्वाचन कार्यालय बारां के कमरा नं. 22 में किया गया है। कार्मिक को निलम्बन काल में नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा। वहीं के बावजूद बीएलओ ऐप पर मैपिंग नहीं करने पर भाग संख्या 219 के बीएलओ सुमेश सिंह चौधरी अघ्यापक राउमावि चोराखाड़ी, भाग संख्या 231 के कुडाराम सहरीदा अघ्यापक राउप्रावि मझोला, भाग संख्या 141 के राम हरीश मीणा अघ्यापक राउप्रावि धतुरिया, भाग संख्या 231 के कुडाराम सहरीदा अघ्यापक राउप्रावि बसेली के विरुद्ध लापरवाही बरतने पर 16 सीसीए के अन्तर्गत नोटिस दिए गए हैं।

19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी लखनऊ में राजस्थान को प्रथम लाने के लिए कर रहे स्काउट गाइड कड़ी मेहनत

बारां (राँयल पत्रिका)। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय के तत्वावधान में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी लखनऊ में राजस्थान प्रदेश की ओर से फिजिकल डिस्प्ले की प्रतियोगिता हेतु बारां जिले के स्काउट गाइड कोटा मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माधुर के सानिध्य में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज तैयारी शिविर के द्वितीय दिवस कोरियोग्राफर यश शर्मा ने महाराणा प्रताप की जीवनी पर कई तरह के प्रदर्शन सिखाते हुए स्काउट गाइड ने बड़े ही जोश के साथ फिजिकल डिस्प्ले की तैयारी कराई। जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा एवं सुनीता मीणा ने संयुक्त रूप से बताया कि 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में भाग लेने के लिए बारां जिले से छ स्काउट पेट्रोल तीन गाइड पेट्रोल भाग लेंगे, जिसमें लगभग 72 स्काउट गाइड होंगे। फिजिकल डिस्प्ले के प्रभारी अमजद यूसुफी ने राजस्थान को

प्रथम लाने के लिए स्काउट गाइड को महाराणा प्रताप की जीवनी के बारे में बताते हुए इसी तरह से आपको भी वहां पर मेहनत करनी है इसका आवाहन किया। तैयारी शिविर में सहयोग के लिए कोटा मंडल के सर्कल ऑर्गनाइजर बृज सुंदर मीणा ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए स्काउट गाइड का जोश बढ़ाया। चित्तौड़ा ने बताया कि राज्य के राज्य संगठन आयुक्त पूर्ण सिंह शेखावत ने आज ऑनलाइन तैयारी को देखकर संतुष्टि व्यक्त की। फिजिकल डिस्प्ले की तैयारी शिविर हेतु राज्य के राज्य सचिव पीसी जेन ने सराहना करते हुए कहा कि वास्तव में बारां जिले के स्काउट गाइड



गुणात्मक स्तर पर भी सर्वोत्तम कार्य करते रहे हैं उन्होंने सभी स्काउट गाइड को ऑनलाइन जुड़ते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की। तैयारी शिविर में महेश खेन छोट्ट लाल सुमन कमलेश मीणा लक्ष्मण गोपाल सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025

चुनाव के लिए होंगे मतदान दल रवाना

बारां (राँयल पत्रिका)। स्वतंत्र विधायक चुनाव की प्रतिबद्धता के साथ विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत 11 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए सोमवार को मतदान दल निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए कूच करेंगे। इसके लिए विधानसभा क्षेत्र में 268 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। रवानगी से पहले मतदान दलों को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान में अंतिम प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण स्थल पर विशाल पाण्डाल बनाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहित सिंह तोमर ने बताया कि मतदान दलों को सुबह 8 बजे प्रशिक्षण देकर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया जाएगा। रवानगी से पूर्व उन्हें मतदान दिवस पर की जाने वाली गतिविधियों, महत्वपूर्ण निर्णयों, सावधानियों व निर्देशों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके पश्चात मतदान दल प्रशिक्षण स्थल से मतदान सामग्री प्राप्त कर आर्वाटि वाहन से पुलिस बल, वीडियोग्राफर व माइक्रो ऑब्जर्वर के साथ निर्धारित रूट



चाई के अनुसार चैक पोस्ट पर एन्ट्री कराते हुए संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुंचेंगे। उन्हीं बताया कि स्वतंत्र व भयमुक्त माहौल में मतदान को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। प्रशिक्षण स्थल पर मतदान दलों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क, शीतल पेयजल आदि की उपलब्धता रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सहित निर्वाचन से संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

प्रचार का शोर धमा-विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत मतदान समाप्ति समय से 48 घंटे पूर्व रविवार शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार का शोर धम गया है। इन 48 घंटों की अधि में सार्वजनिक सभाओं को प्रतिबंधित किया गया है। इस अवधि में जुलूस, चलचित्र, टेलीविजन या अन्य माध्यमों से प्रचार नहीं किया जा सकेगा। साथ ही लाउडस्पीकरों के माध्यम से भी प्रचार वर्जित रहेगा। वहीं इस अवधि में कोई भी राजनैतिक व्यक्ति जो उस निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता या अभ्यर्थी नहीं है अथवा सांसद या विधायक नहीं है, वह उस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार समाप्त होने के पश्चात् नहीं ठहर सकेगा।

अधिक से अधिक मतदान की अपील

-वोट वृक्ष और दीपदान का आयोजन कर मतदाताओं को किया गया जागरूक

बारां (राँयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहितसिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निदेशानुसार अंता विधानसभा उपचुनाव में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सतरंगी सप्ताह के सप्तम दिवस को लालच पर होगी चोट, सोच समझ कर करेंगे वोट की थीम पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वीप कार्यक्रम के तहत सीसवाली स्थित माता भगवती देवी देव संस्कृति महिला महाविद्यालय के ईएलसी सदस्यों ने वोट वृक्ष सजाया, जिस पर जागरूकता संबंधी स्लोगन लगाकर लाइटिंग की गई। इस अवसर पर स्वीप सह प्रभारी अमित भागवत ने उपस्थित जन को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प कराया एवं सभी से लोकतंत्र के इस



महापर्व में मतदान करते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही निर्वाचन संबंधित ऑनलाइन एप्लीकेशन की जानकारी भी दी गई एवं वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जानने तथा मतदान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने के बारे में बताया गया वहीं सीबीजिल ऐप के द्वारा आचार संहिता के उल्लंघन या राजनैतिक कटाचार की गतिविधियों की शिकायत कर 100 मिनट में समाधान पाने की प्रक्रिया बताई

गई। स्वीप सह प्रभारी एवं एएओ महेश कुमार छंदक ने मतदाताओं के साथ सीसवाली खाड़ी के तट पर मतदाताओं में जागृति लाने के उद्देश्य से दीपदान किया गया एवं मतदाताओं को मतदान दिवस 11 नवंबर पर मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए बनाई गई रंगोली को दीपों से सजाया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. डॉली माहेश्वरी, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, स्टाफ एवं बडी संख्या में मतदाता मौजूद रहे।

गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, उदयपुर में राष्ट्रीय मैक्सफैक स्किल कोर्स का आयोजन

उदयपुर (राँयल पत्रिका)। गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट (GDRI), उदयपुर के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय मैक्सफैक स्किल कोर्स का सफल आयोजन जीएमसीएच स्किल लैब में किया गया। यह इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का लगातार चौथा संस्करण था, जिसका उद्देश्य युवा ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जनों में क्लिनिकल उत्कृष्टता और सर्जिकल दक्षता को प्रोत्साहित करना था। दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कोर्स में देशभर के विभिन्न डेंटल संस्थानों से आए 80 पीपी छात्रों और चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का फोकस मैक्सिलोफेशियल और आपातकालीन शल्य चिकित्सा स्थितियों के प्रबंधन के लिए आवश्यक शल्य कौशल और प्रक्रियात्मक विशेषज्ञता के विकास पर था। डॉ. रामकांत रेड्डी दुबुड्डू, कंसल्टेंट, एआईजी हॉस्पिटल, हैदराबाद ने कोर्स डायरेक्टर के रूप में कार्य किया और इंजेक्शन, आईवी लाइन एवं ब्लड सैपलिंग पर विस्तृत सत्र लिया। डॉ. शालू बंसल, प्रोफेसर एवं प्रमुख, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, उदयपुर ने कोर्स कन्वीनर के रूप में ट्रेकिंगस्टॉपी



केयर पर सत्र संचालित किया। कार्यक्रम की विशिष्ट फेकल्टी में शामिल थे- डॉ. अल्का छाबड़ा, प्रोफेसर एवं प्रमुख, एनेस्की सियो लॉर्जा विभाग, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, उदयपुर - एंडोडेंटिकल इंट्यूबेशन, डॉ. प्रिया दर्शिनी कौशिक, प्रोफेसर, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, आर.आर. डेंटल कॉलेज, उदयपुर - जनरल सर्जिकल रिकवर्स, डॉ. खालिद मोहम्मद अघवानी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, दर्शन डेंटल कॉलेज, उदयपुर - आर्टिफिशियल एयरवेज और वेंटिलेशन, डॉ. जोआना बेाटिस्ट, एसोसिएट प्रोफेसर, माणियाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, मैंगलोर - स्यूचरिंग तकनीक और सर्जिकल नॉट टाईंग, डॉ. विद्या देवी, कंसल्टेंट, हैदराबाद - यूरिनी केथेटराइजेशन और नासोगैस्ट्रिक ट्यूब इंsertion, डॉ. विसालाक्षी डी, गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, हैदराबाद - सर्जिकल ड्रेन्स और वूड केयर अवसर पर

डॉ. बालाजी मनोहर, प्रिंसिपल, गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट ने कहा कि स्नातकोत्तर शिक्षा में संरचित कौशल आधारित प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मैक्सफैक स्किल कोर्स की निरंतर सफलता की सराहना की, जिसने सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम किया है। प्रतिभागियों ने अनुभवी राष्ट्रीय फेकल्टी के मार्गदर्शन में सीखने और आपातकालीन प्रबंधन कौशल में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण और फेकल्टी सदस्यों को सम्मान स्वरूप उपहार प्राप्त करने के अवसर की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण और फेकल्टी सदस्यों को सम्मान स्वरूप उपहार प्राप्त करने के अवसर की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण और फेकल्टी सदस्यों को सम्मान स्वरूप उपहार प्राप्त करने के अवसर की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण और फेकल्टी सदस्यों को सम्मान स्वरूप उपहार प्राप्त करने के अवसर की सराहना की।

चौमूं में युवक ने पेश की मिसाल

-सवारी गाड़ी में मिला सोने का मंगलसूत्र पुलिस को लौटाया



चौमूं (राँयल पत्रिका)। चौमूं शहर में रविवार दोपहर एक युवक ने ईमानदारी की अनूठी मिसाल पेश की। स्थानीय निवासी विजयपाल भावरिया को सवारी गाड़ी में एक सोने का मंगलसूत्र मिला, जिसे उन्होंने बिना किसी लालच के चौमूं थाने में जमा कर दिया। जानकारी के अनुसार, विजयपाल चंदवाजी-चौमूं मार्ग पर चलने वाली एक सवारी गाड़ी में सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान उन्हें सीट

के नीचे सोने का मंगलसूत्र मिला। विजयपाल ने तत्काल गाड़ी चालक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद दोनों ने मिलकर मंगलसूत्र पुलिस को सौंप दिया। थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा ने विजयपाल की ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है। उन्होंने विजयपाल और गाड़ी चालक दोनों का आभार जताया।

किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य को हाई वोल्ट करंट का झटका बंद हुए हार्ट को सीपीआर इलेक्ट्रिक शॉक देकर दी नई जिंदगी- डॉ. एम. एम. पुकार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर किशोर न्याय बोर्ड सदस्य ताराचंद सैनी को लगा हाई वोल्ट करंट का झटका मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में इमरजेंसी की टीम ने बेस्ट वर्क देकर बचाई जान, बंद हुए हार्ट को सीपीआर व इलेक्ट्रिक शॉक देकर दी नई जिंदगी चूरू। शहर के नया बास में रहने वाले किशोर न्याय बोर्ड सदस्य ताराचंद सैनी को किसी मजदूर की सहायता करते समय हाई वोल्ट 11 हजार लाइन का करंट लग गया। जिससे 45 वर्षीय ताराचंद की हालत अत्यंत गंभीर हो गयी। जिसको निजी वाहन से मीके पर मौजूद लोगों ने डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। जहां कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में डॉ. व नर्सिंग स्टाफ ने बेहतर इलाज देते हुए उसकी जान बचाकर नया जीवनदान दिया है। सैनी को तुरन्त गंभीर हालत में मेडिसिन आईसीयू में भर्ती किया गया। जहां उसको वेंटीलेटर पर लिया गया। फिलहाल सैनी की स्थिति में काफी सुधार है। गुरुवार दोपहर उन्हें वेंटीलेटर से हटाया गया है। मामले में भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी ने बताया कि उसका भाई ताराचंद सैनी मोहल्ले में बालाजी मंदिर के कार्यक्रम में टेंट का काम करने वाले किसी मजदूर की मदद कर रहे थे। इसी दौरान ताराचंद को हाई वोल्ट 11 हजार लाइन का करंट का झटका लगा। इनके साथ मजदूर भी झुलस गया। दोनों को निजी वाहन से इमरजेंसी वार्ड लाया गया। जहां से हादसे की सूचना प्रिंसिपल डॉ. पुकार को दी गयी। जिसने तुरन्त अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। तब रोगी अचेत हालत में था। जिसका हार्ट भी काम नहीं कर रहा था। जिसकी ईसीजी स्टेट



लाइन थी। ऑक्सिजन लेवल और ब्लड प्रेशर भी शून्य था। मगर डॉ. पुकार ने टीम के साथ मिलकर खुद ने सीपीआर दिया। वहीं दो बार डीसी दिया गया। रोगी की बिगड़ती हालत को देखकर एंस्थेसिया डॉ. को कॉल किया गया। मगर रोगी की बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉ. पुकार ने ही रोगी को एंटीव्यूट कर दिया। जिसके बाद रोगी के हार्ट ने काम करना शुरू कर दिया। इसके बाद रोगी को तुरन्त मेडिसिन आईसीयू में पिफ्ट किया गया। जहां उसे वेंटीलेटर पर लिया गया। मगर वहां भी टीम के साथ मिलकर मॉनिटरिंग की। जिसकी बदौलत गुरुवार सुबह रोगी की हालत में काफी सुधार आया। दोपहर तक उसे वेंटीलेटर से हटा दिया गया। फिलहाल वह नार्मल ऑक्सिजन पर है। टीम की मेहनत रंग लायी नया बास निवासी ताराचंद सैनी भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी ने के छोटे भाई हैं। मामले में नरेन्द्र

सैनी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. पुकार के नेतृत्व में टीम वर्क किया गया। जिसकी बदौलत आज उसके छोटा भाई को नया जीवनदान मिला है। उन्होंने इसके लिए अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड स्टाफ का आभार जताया। मौके पर भी दिया गया सीपीआर डॉ. पुकार ने बताया कि ताराचंद सैनी को करंट लगने के बाद कमांडो सुरेन्द्र कर्खा व एसआई रामजीलाल ने तुरन्त सीपीआर दिया। जिसके तुरन्त पांच मिनट में इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। सुरेन्द्र कर्खा व रामजीलाल के द्वारा दिया गया सीपीआर ताराचंद सैनी के लिए संजीवन बूटी का काम किया। डॉ. पुकार ने की टीम की प्रशंसा- इस मामले में डॉ. पुकार व अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चोधरी ने आपातकालीन रिस्पांस टीम अभियान के तहत इमरजेंसी वार्ड में रोगी को लाये जाने के दौरान अस्पताल अधीक्षक, अति. प्रधानाचार्य डॉ. रमाकान्त वर्मा, डॉ. मनोज फोगावट, डॉ. सरोज, डॉ. जे.एन.एल, डॉ. युवराज, नर्सिंग आफिसर मुकेश कांटीवाल व नरेन्द्र दाधीच की इस कार्य के लिए प्रशंसा की। सीपीआर के लिए दैंगे प्रशिक्षण डॉ. पुकार ने बताया कि आपात स्थिति में हम रोगी को सीपीआर देकर उसकी जान बचा सकते हैं। इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन के द्वारा समय समय पर सीपीआर प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि कोई भी संस्थान, सार्वजनिक संस्थान, निजी संस्थान व पुलिसकर्मी आदि जनसेवाथी सीपीआर का प्रशिक्षण लेना चाहते है तो वे कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार से संपर्क कर सकते हैं।

गीतांजलि डेंटल में GDRI स्माइल उदयपुर पहल का आगाज़



उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि डेंटल एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, उदयपुर द्वारा "GDRI स्माइल उदयपुर पहल" का शुभारंभ 7 नवम्बर, राष्ट्रीय दूध ब्रशिंग दिवस के अवसर पर किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उदयपुर की जनता के मौखिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है। इस अवसर पर हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित, ज्ञान मन्दिर विद्यालय, में एक व्यापक मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 586 विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया गया। विद्यार्थियों को दंत ब्रश करने की सही विधि सिखाई गई, ताकि वे कम उम्र से ही मौखिक स्वच्छता की सही आदतें विकसित कर सकें। गीतांजलि डेंटल के प्राचार्य, डॉ. बालाजी मनोहर ने बताया कि GDRI

स्माइल उदयपुर पहल के अन्तर्गत गीतांजलि डेंटल द्वारा उदयपुर की जनता के लिए नियमित मौखिक स्वास्थ्य गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि गीतांजलि डेंटल एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट अपनी अनुभवी विशेषज्ञ टीम के साथ उदयपुरवासियों के मुख स्वास्थ्य की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभा रहा है। विद्यालय की प्राचार्या लीला पालीवाल ने इस पहल की सराहना की एवं ज्ञान मंदिर स्कूल के डायरेक्टर गजानन जी असावर ने गीतांजलि डेंटल से एमओयू साइन किया तथा कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में दंत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी हैं। इस अवसर पर डॉ. मुदुला टाक, डॉ. सोरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा तथा नितिन गोस्वामी ने कार्यक्रम के सफल संचालन में सक्रिय योगदान दिया।

शहरवासियों के लिए सैटेलाइट अस्पताल गढ़ परिषद से राहत की खबर



मोहम्मद अली पठान चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गढ़ स्थित सैटेलाइट अस्पताल में पिछले 22 दिनों से जारी धरने के फलस्वरूप सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा धरना स्थल पहुंचे और तुरंत प्रभाव से आरपीएचएस सुविधा को प्रारंभ किया गया है। अब सेवानिवृत्त कर्मचारियों को यहां चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी साथ ही आगामी तीन दिनों में यहां खून जांच, यूरिन जांच, शुगर जांच,

बीपी जांच की सुविधा शुरू होने का आश्वासन मिला है। एक महीने में सोनोग्राफी और एक्सरे की सुविधा शुरू होने का आश्वासन भी दिया गया है। अनेक संघठनों और समाज सेवकों द्वारा इस प्रकरण को संबोधित उच्चधिकारियों के संज्ञान में लाकर इसको क्रियान्वित करवाने में धरना स्थल पर बैठे सत्यनारायण व्यास ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्व रेडियोग्राफी दिवस राज्य समारोह उदयपुर में आयोजित

-प्रांतीय चुनावों में अनिल कुमार कुमावत अध्यक्ष एवं दुर्गेश सैन बने प्रदेश महासचिव



उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित विश्व रेडियोग्राफी राज्य स्तरीय समारोह शनिवार को कृषि महाविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के आयोजक मनोज सक्सेना अधीक्षक रेडियोग्राफर उदयपुर ने बताया कि इस समारोह के मुख्य अतिथि फूल सिंह मीना विधायक उदयपुर विशिष्ट अतिथि डॉ अरविंद शुक्ला प्रोफेसर रेडियो फिजिक्स डिपार्टमेंट डॉ. एन के राठौर विभागाध्यक्ष रेडियोग्रेफि आर एन टी मेडिकल कॉलेज उदयपुर डॉ. संजय गांधी कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन एवं डॉ. राम अवतार सैनी आर्थोपेडिक सर्जन गीतांजलि मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल उदयपुर उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष वकी अहमद एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में चिकित्सा विकिरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले कर्मिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक फूल सिंह मीना द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ ही एक्सरे

के जनक सर डब्ल्यू सी रोजन की प्रतिमा पर माल्यापन किया एवं सभी रेडियोग्राफर को विश्व रेडियोग्राफी दिवस की बधाई देते हुए कार्य के प्रति संकल्पता बरतने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथियों द्वारा विकिरण सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर व्याख्यान दिए कार्यक्रम के अंत में राजस्थान रेडियेशन टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन संघ के प्रदेश स्तरीय चुनाव हुए जिसमें अनिल कुमार कुमावत निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा प्रदेश महासचिव पद पर दुर्गेश सैन जयपुर बहुमत से विजय हुए तपकशत मुख्य चुनाव अधिकारी देवेन्द्र सिंह जादौन सेवानिवृत्त अधीक्षक रेडियोग्राफर जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर तथा उज्ज्वार सिंह मेडिकल कॉलेज कोटा द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई मंच संचालन महेश दुबे विश्व रेडियोग्राफर मेडिकल कॉलेज कोटा ने किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन अध्यक्ष मनोज सक्सेना अधीक्षक रेडियोग्राफर उदयपुर द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों से पथार रेडियोग्राफर को स्मृतिचिन्ह भेंट किया गए।

स्काउट-गाइड शिविर में सीखे हुए का करें व्यावहारिक प्रयोग- सुराणा

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया स्काउट एंड गाइड के राज्य पुरस्कार अनुशंसा शिविर का अवलोकन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर स्काउट एंड गाइड के राज्य पुरस्कार अनुशंसा शिविर का अवलोकन किया तथा स्काउट-गाइड से रूबरू होते हुए संवाद किया। इस अवसर पर सुराणा ने स्काउट व गाइड के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट एंड गाइड कैप जैसी गतिविधियां युवाओं को नकारात्मकता से दूर रखती हैं। स्काउट व गाइड शिविर की गतिविधियां अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का विकास करती हैं और आत्मविश्वास सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि स्काउट - गाइड यहां सीखे गए अनुभवों का व्यावहारिक प्रयोग करें तथा सामाजिक उत्पन्न में



अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने स्काउट एंड गाइड शिविर के दौरान गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी ली तथा विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इस मौके पर सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने भी विचार व्यक्त किए। स्काउट सीओ महिपाल सिंह ने व्यवस्थाओं

सांचौर में नर्मदा नहर पर सुरक्षा के इंतजाम अधूरे, हर साल डूबने से होती हैं मौतें

-अधिकांश मामले आत्महत्या के, कुछ मौतें दुर्घटना से

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर में नर्मदा नहर परियोजना ने क्षेत्र में किसानों के लिए समृद्धि की द्वार जरूर खोले हैं लेकिन नहर निर्माण के बाद सुरक्षा पुख्ता प्रबंधक नहीं होने के कारण नहर में डूबने से कई लोगों की हर साल मौत हो जाती है। नहर के पास ना तो लाइनिंग दीवार है और ना ही तेराक व अन्य संसाधन उपलब्ध हैं प्रशासन की ओर से कोई प्रयास नहीं किया जा रहे हैं जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। वही हादसों के बावजूद प्रशासन कोई सबक नहीं ले रहा है नर्मदा नगर में औसतन हर साल 10 लोगों की डूबने से मौत होती हैं हालात यह है कि नहर में डूबे व्यक्ति को निकालने में एक से दो दिन का समय लग जाता है ऐसे में संसाधनों के अभाव से नहर में डूबने के बाद व्यक्ति को सुरक्षित निकलना मुश्किल है विभाग की ओर से मुख्य नहर,माइनर,वितरिका के आसपास लाइनिंग तक नहीं हो पाया है वहीं नहर के आसपास सुरक्षा दीवार का निर्माण भी नहीं करवाया गया है नेहड़ क्षेत्र में दर्जनों मुख्य रास्ते नहर को क्रॉस कर गुजरते हैं ऐसे में कई बार हादसे हो चुके हैं कई बार वाहन



भी नहर में गिर चुके हैं कई बार पशु भी नहर में गिर जाते हैं लेकिन उसे सुरक्षित निकालने में अ स म र्थ न प्रशासन है नहर में डूबे व्यक्ति को बचाने के लिए सुरक्षा उपकरणों की जरूरत रहती है लेकिन प्रशासन के पास कोई व्यवस्था नहीं है जबकि वाटर विजन कैमरा,वाटर विजन टॉच, लाइफ़ सेविंग जैकेट,फाइबर रस्से, हाई विजन टॉच,पानी में जगह-जगह लगाने के लिए जालियां,तलाशी के लिए कल्टीवेटर सिस्टम, प्रशिक्षित गोताखोर,मोटर नाव, वाटर गेज मीटर,एंग्रुलस, पेट्रोलिंग वाहन, वाटर विजन चश्मा सहित अन्य संसाधनों की जरूरत रहती है ताकि नहर में डूबे व्यक्ति को जल्दी ढूंढा जा सके लेकिन प्रशासन के पास कोई राहत सामग्री उपलब्ध नहीं है पर्याप्त

संसाधनों के अभाव में कई बार प्रशासन व पुलिस को नहर में डूबे लोगों को खोजने में दो दिन से भी अधिक समय लग जाता है नहर के दोनों ओर सड़क बनी होने से लोग शॉर्टकट के चक्कर में नहर के मार्ग से सीधे जाने का प्रयास करते हैं लेकिन नहर व सड़क के बीच कोई सुरक्षा दीवार या डिवाइड नहीं होने से मोड़ में कई बार वहां नहर में गिर चुके हैं क्षेत्र के लालपुर, अगार,पालड़ी,डेडवा, परावा,सिवाड़ा सहित आसपास गांव में हर बार हादसे होते रहते हैं।

जंघान में गूंजा वंदे मातरम, विद्यार्थियों से लेकर आमजन सबने थामा तिरंगा

-राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भगतसिंह चौक से अग्रसेन भवन तक पदयात्रा वंदे मातरम के जिला स्तरीय कार्यक्रम में बोले प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रोत्साहित करने वाले और आज भी राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का अलख जगाने वाले राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में उत्सव का माहौल है। इसी अवसर पर शनिवार को हनुमानगढ़ जंघान स्थित भगतसिंह चौक से अंडरपास होते हुए सर्किट हाउस और वहाँ से अग्रसेन भवन तक पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में हजारों विद्यार्थियों, स्काउट-एनसीसी कैडेट्स, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए वंदे मातरम के नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। पदयात्रा की समाप्ति पर अग्रसेन भवन में वंदे मातरम का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत गायन से किया गया। इसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीएम राजकीय विद्यालय, एनपीएस स्कूल और नवयुक्ति विकलांग संस्थान, जंघान के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से सराबोर प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाद्य, नगरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि वंदे मातरम की रचना करते समय शायद यह नहीं सोचा गया होगा कि एक दिन यह गीत विश्वभर में भारत की पहचान बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने के योगदान को देश सदा याद रखेगा। सरदार पटेल और बंकिमचंद्र चटर्जी हमारी स्मृतियों में सदैव अमर रहेंगे। इन्होंने महान स्मृतियों को संजोने के लिए ऐसे उत्सव किए जा रहे हैं। सरदार पटेल के जिस भारत के स्वप्न की कल्पना थी, उसकी वैभवशाली छवि आज सम्पूर्ण विश्व देख रहा है। प्रमोद डेलू ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए प्रत्येक देशवासी के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करनी होगी। इसी संघर्ष के अनुरूप यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे आयोजनों की परिकल्पना को साकार



किया है। कार्यक्रम का मंच संचालन भीम कौशिक ने किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक हरि शंकर, जींद विधायक कृष्ण मिश्रा, पूर्व विधायक गुरदीप शाहपिनी, पूर्व विधायक धर्मेश मोची, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, जनप्रतिनिधि अमित चौधरी, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, एडीएम उम्मेदीलाल मीना, जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्रॉई, एएसपी जनेश तंवर, सीडीईओ पत्रालाल कड़ला, प्रदीप ऐरी, बलबीर बिश्रॉई, देवेन्द्र पारीक, विकास गुप्ता, ओम सोनी, आशीष पारीक, संजय शर्मा, गुलाब सिंवर सहित बड़ी संख्या में स्काउट्स, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी, आमजन व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- बंकिमचंद्र चटर्जी ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना 7 नवंबर, 1875 को अक्षय नवमी के पावन अवसर पर की थी। यह पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का स्वरूप बताते हुए इस गीत ने भारत की एकता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भावना को काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी। शीघ्र ही यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गया।

पीपल्स उन्नयन पार्टी ने किया पूर्वी राजस्थान की लोकसभाओं में विधानसभा प्रभारियों का मनोनयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पीपल्स ग्रीन पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय के द्वारा तैयार की गई छठी सूची को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी के द्वारा जारी किया गया। पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि भरतपुर लोकसभा में कटूमर विधानसभा से वीरेंद्र सैनी और रामावतार यादव, कामां से डॉ. साकिर और आसाम खान, नगर से दयाराम फौजदार और अभिषेक चौधरी, डीग कुम्हरे से राजेन्द्र सैनी और कृष्ण मुरारी, भरतपुर विधानसभा से पिंकू कुमार और राहुल अग्रवाल, नदबई से दिनेश शर्मा और नकुल वंदना उपाध्याय, वैर से प्रकाश शास्त्री और बच्चु सिंह, बयाना से रामावतार गुर्जर और रवि मलिक को विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है। इसी प्रकार दौसा लोकसभा में बांटीकुई से हेमराज गुर्जर और पिटू सैनी, बस्सी से किशन कुमार मीणा और अमरपाल मीणा, चाकसू से महेन्द्र



चौधरी और ताराचंद डोई, थाना गाजी से अशोक कुमार चांवरिया और जयकिशन मीणा, महुआ से मोहन लाल योगी और पिंकेश कुमार, सिकराय से शुभम कुमार सैन और मानसिंह ब्रह्म बाद, दौसा विधानसभा से नवल किशोर शर्मा और कृष्ण मुरारी शर्मा, लालसोट से के एल मीणा और मुकेश कुमार बैरवा को विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है। अलवर लोकसभा में तिवारा से अयूब खान और पीतांबर, किशनगढ़ बास से राम पाल सिंह और सीताराम

प्रजापति, मंडावर से तेजपाल यादव और संजय यादव, बहरोड़ से डॉ. प्रतीक कालोनिया और लोकेश यादव, अलवर ग्रामीण से श्रीकांत चंद्र और विक्रम चौधरी, अलवर लाल और संजू सैनी और देवेश सैनी, रामगढ़ से कमल भारद्वाज और विश्राम कुमार, रामगढ़ 67 से मलखान मीणा और रवि शर्मा, धौलपुर करौली लोकसभा में बसेड़ी से रवींद्र कुमार भरड़ और अंकुश बिजौली, बारी से गौरव सैन और किशन किश्राड़, धौलपुर विधानसभा से सुरेंद्र सिंह लोधी और गौरव गिरी, राजखेड़ा से विक्रम मोर्षी और सत्यनारायण वर्मा, टोडाभीम से पंखी लाल मीणा और रामावतार, हिंडौन से राजीव कलसाड़िया और कंवर तंवर, करौली विधानसभा से हेमराज प्रजापति और रोहित चतुर्वेदी, सपोटरा से लवकुश मीणा और नहर सिंह सैनी को विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है।

गीतांजली यूनिवर्सिटी में एचडीएफसी बैंक शाखा का शुभारंभ

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली यूनिवर्सिटी में आज एचडीएफसी बैंक की नई शाखा "गीतांजली यूनिवर्सिटी शाखा" का शुभारंभ किया गया। यह शाखा गीतांजली परिसर में बैंकिंग सुविधाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में गीतांजली युव के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, एचडीएफसी बैंक के जूनल हेड कुमार सौरभ तथा ब्रांच मैनेजर चंदन पालीवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर गीतांजली यूनिवर्सिटी के लीडरशिप टीम, स्टाफ सदस्य और एचडीएफसी



बैंक के अधिकारी भी मौजूद थे। नव स्थापित शाखा से छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और कर्मचारियों को बैंकिंग सेवाओं का त्वरित और आसान लाभ मिल सकेगा। इस पहल से न केवल वित्तीय सेवाएं

परिसर में सुलभ होंगी, बल्कि यह यूनिवर्सिटी में डिजिटल बैंकिंग को भी प्रोत्साहन देगी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

वन्देमातरम@150 गीत के 150 पूर्ण होने पर लोढ़ा स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित



पाली (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम@150 के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को आरसीलोढ़ा स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम शनिवार सांय को जिला प्रशासन ,नगर विकास न्यास,नगर निगम व शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ अतिरिक्त कलेक्टर ओम प्रभा ने किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया जिसमें अनेक स्कूलों ने देश भक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समों बांध दिया और माहौल वन्दे मातरम और देशभक्ति के जज्बों से भर गया। कार्यक्रम में पीएम बलिया ,बांगड़ स्कूल,गाजियन

पब्लिक स्कूल, सुल्तान गीत वन्देमातरम@150 के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को आरसीलोढ़ा स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम शनिवार सांय को जिला प्रशासन ,नगर विकास न्यास,नगर निगम व शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ अतिरिक्त कलेक्टर ओम प्रभा ने किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया जिसमें अनेक स्कूलों ने देश भक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समों बांध दिया और माहौल वन्दे मातरम और देशभक्ति के जज्बों से भर गया। कार्यक्रम में पीएम बलिया ,बांगड़ स्कूल,गाजियन

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अखबार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनू के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096



5 दिसंबर को रिलीज होगी स्पाई थ्रिलर एक्शन फिल्म धुरंधर

मुंबई। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म धुरंधर इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। फंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक और पोस्टर जारी किया है। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा कुछ

तो सामने नहीं आया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी। मेकर्स ने फिल्म से अर्जुन रामपाल के फस्ट लुक के बाद अब आर माधवन का लुक भी जारी कर दिया है। इस फर्स्ट लुक में आर माधवन को कर्म के सारथी के रूप में दिखाया गया है।

लाइफ Style

शोफाली

वर्दी पहनते ही एकदम बदल जाती है चाल

एजेसी मुंबई

जानी-मानी अदाकारा शोफाली शाह ने यू तो आपने कॅरियर की गुरुआत टीवी से की। फिर सत्या, मॉनसून वैडिंग, दिल धड़काने दो और वक्त जैसी फिल्मों के लिए चर्चा में रही, लेकिन उनकी एक्टिंग का असली दमखम दिखा ओटीटी पर।

जब वह एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में मैडम सर यानी एसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में नजर आईं। इसके बाद तो वह ह्यूमन, डॉलर्स, जलसा और धी ऑफ अस जैसी हर फिल्म, हर सीरीज से दर्शकों के दिल में अपनी छाप मजबूत करती गईं। 'दिल्ली क्राइम 2' के लिए प्रतिष्ठित एमी अवॉर्ड जीतने वाली शोफाली अब इसके तीसरे सीजन में लौटी हैं। जाहिर है यह शो उनके लिए बेहद स्पेशल है। वह कहती हैं कि उन्हें इस शो और किरदार से बेहद प्यार है। शोफाली बताती हैं, 'मेरा एक्साइटमेंट अभी शुरू होता है, जब मुझे पता चलता है कि इस शो का नया सीजन आ रहा है। मुझे इस शो और मैडम सर से प्यार है। हालांकि, जब सेट पर जाने का वक्त आता है तो मेरा टेंशन, स्ट्रेस सब बढ़ जाता है। ऐसा लगता है कि मुझे कुछ नहीं आता, लेकिन जब मैं उसके जूते में पैर रखती हूँ, मेरी चाल बदल जाती है। वह यूनिफॉर्म पहनते ही मुझमें अचानक एक चौड़ आ जाती है। वैसे, यह इमोशनली आपको सुखा देने वाला शो है। बहुत इंटेंस शो है। मैंने तीन सीजन कर लिए, मगर कभी भी ऐसा नहीं लगा कि सबकुछ आसान है। मैं सब आसानी से कर रही हूँ, क्योंकि हर बार अलग केस है तो उनका एक्शन अलग होगा।



हॉलीवुड मसाला

सबसे अधिक नौ नॉमिनेशन



लॉस एंजिल्स। वेमी अवॉर्ड्स 2025 के नॉमिनेशंस का ऐलान हो गया है। इसमें रैपर कैड्रिक लैमर को सबसे अधिक 9 नॉमिनेशन मिले हैं। लिस्ट में लेडी गागा से लेकर जस्टिन बॉबर तक का नाम है, लेकिन टेलर स्विफ्ट को एक भी नॉमिनेशन नहीं मिला है। अगले साल 1 फरवरी, 2026 को लॉस एंजिल्स के क्रिटिकॉम एरिना में यह पुरस्कार दिए जाएंगे। शुक्रवार को ऐलान हुए नौ नॉमिनेशन में रैपर कैड्रिक लैमर को सबसे अधिक 9 नामांकन मिले हैं।



फिर से करेगी वकील बनने की तैयारी...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल किम कार्दशियन इन दिनों वकील बनने की तैयारी कर रही हैं। किम कार्दशियन ने हाल ही में अपनी कैलिफोर्निया बार परीक्षा के परिणाम के बारे में बताया, जिसमें वो अस्फल हो गई हैं। हालांकि इस हार से वो परेशान नहीं हुई हैं। उन्होंने बताया कि वह पढ़ाई करेगी और इस परीक्षा को दोबारा देगी। किम कार्दशियन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा है। उन्होंने कहा, 'मैं अभी वकील नहीं हूँ, बस टीवी पर अच्छे कपड़े पहनकर वकील का किरदार निभाती हूँ। इस कालात के सफर में छह साल हो गए हैं, जब तक मैं बार की परीक्षा पास नहीं कर लेती, मैं पूरी तरह से इसमें लगी हुई हूँ। कोई शॉर्टकट नहीं, कोई हार नहीं है और ज्यादा पढ़ाई और और भी ज्यादा हार्ड वर्क का ही जरूरत है।



जूडी हॉप्स के किरदार को हिंदी में दी आवाज

मुंबई। श्रद्धा कपूर हॉलीवुड फिल्म 'जूटोपिया 2' के कारण चर्चा में हैं। वो इस फिल्म के सबसे प्यारे किरदार जूडी हॉप्स की आवाज बनेंगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है और फंस को खूब पसंद भी आ रहा है। ये फिल्म इसी महीने थिएटर में रिलीज होने के लिए एकदम तैयार है। 'जूटोपिया 2' के ट्रेलर से पता चलता है कि जूडी और निक की कहानी एक बार फिर रोमांचक, मजेदार और दिल को छू लेने वाली होगी। जूटोपिया की इस रंगीन दुनिया भर में इस बार नए चैलेंज, समझदारी भरा ह्यूमर और वहीं खास इमोशनल गहराई है, जिसने पहली फिल्म को दुनिया भर में हिट बनाया था। फिल्म में हिंदी में श्रद्धा कपूर ने जूडो को आवाज दी है। फंस ने कहा कि एक्ट्रेस की आवाज जूडी हॉप्स के किरदार में बिल्कुल सही बैठती है।



बीएसएफ की जन्म मैराथन में हुए शामिल...

मुंबई। बीएसएफ की जन्म मैराथन में प्रतियोगियों का हौसला बढ़ाने के लिए अभिनेता सुनील शेट्टी भी पहुंचे हैं। वह मैराथन इवेंट को लेकर उत्साहित दिखे। साथ ही अभिनेता ने बताया कश्मीर में आने वाले दिनों में फिल्मों की शूटिंग हो सकती है। सुनील ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'लोग मुझे फिल्म 'बॉर्डर' में निभाए भरो सिंह (आर्मी ऑफिसर) के किरदार को वजह से पहचानते हैं। यह जन्म में मेरी पहली मैराथन है। उम्मीद है कि आगे भी कई मैराथन होंगे। मेरी कोशिश हर बार आने की रहेगी।' अभिनेता ने बीएसएफ के साहस, देश की सीमाओं की रक्षा में उनके योगदान को भी सराहा। आगे सुनील शेट्टी कहते हैं, 'कश्मीर में हुई मैराथन में भी मैं गया हूँ। जल्द ही विक्रम राजदान, शम्बीर वाक्सवाला और एक दोस्त बिर्नाय गांधी हैं, जो इसी साल कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग शुरू करेंगे।

टीवी मसाला



सलमान ने दिखाया मूडल का असली चेहरा, सुनते ही उड़ गए होश

नई दिल्ली। शिवा बॉस में फरहाना मट्टु बुरी तरह टूट चुकी हैं। वीकेंड का वार में सलमान खान ने उनकी कही हर बात से उनका सामना कराया। साथ ही फरहान ने शो पर माफी भी मांग कि उन्होंने जो कहा उसके लिए वह पछता रही हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने ये भी कहा कि क्या मैं झूठी बुरी हूँ। लेकिन, मुद्दल की तो सलमान खान ने खूब कलास लगाई। जैसे-जैसे फिजाले करीब आ रहा है। शो में सभी लोगों का अंशान रूप देखने को मिल रहा है। जहां नौरव खान का फरहाना पर गुस्सा फूटा वहीं, मुद्दल का भी एक अलग रूप घर में अब नजर आने लगा है। मुद्दल को तो सलमान ने वेतावनी तक दे डाली है। वीकेंड के वॉर में सलमान ने बताया कि कैप्टेसी टास्क के दौरान मुद्दल ने फरहान को ऐसा धक्का मारा कि वह अनबेलेड हो गईं। इसके बाद तो कुछ ऐसा हुआ कि वह शो में दिखाया ही नहीं गया। वो सैन महिलाओं के खिलाफ हिंसा की कैटेगरी में आता था। सलमान ने उसी बात को याद करते हुए, 'टास्क के दौरान मुद्दल ने एक लड़की को इस तरह धकेला कि वह और कोहनी मारी कि हम वो वीडियो एडिजिट में डाल ही नहीं पाए। क्योंकि, यह महिलाओं के खिलाफ हिंसा मानी जाती है। सलमान खान ने अपनी बातचीत में मुद्दल से कहा कि ने उन्होंने फरहाना को धमकी भी दी थी अगर दोबारा तुमने मुझे धक्का मारा तो मैं तुम्हें खींचकर मरूंगा। इसके बाद सलमान ने उन्हें चेतावनी भी दी कि 'अगली बार ऐसा कुछ करना, करके देख लेना मुद्दल। एक बार आप ऐसा करके देखो फिर देखो क्या होता है। अगर जो दिख रहा है वो तुम हो तो शो के शुरुआत में जो मासूम दिख रहा था, वो क्या था?

'तारक मेहता' में 8 साल बाद होगी टप्पू की वापसी!

नई दिल्ली। टीवी का सबसे लोकप्रिय और लंबे समय से चल रहा शो 'तारक मेहता का उल्टा चशम' एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का विषय एक्टर मधु बांधी हैं। उनके किरदार टप्पू की आज भी बात होती है और उनके शो में वापस आने की खबरें जारी पर हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मधु ने शो में अपनी वापसी को लेकर एक अहम बयान दिया, जिससे फंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। मधु बांधी ने 2008 में 'तारक मेहता का उल्टा चशम' में टप्पू के किरदार से एंटी की थी। अपनी मासूमियत और एक्टिंग से उन्होंने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। वह लगभग 7 साल तक शो का हिस्सा रहे और 2017 में शो को अलविदा कह दिया। उनके जाने से दर्शक काफी निराश हुए, क्योंकि टप्पू का किरदार शो की जान माना जाता था। मधु के जाने के बाद पहले यह रोल राज अनादकट ने निभाया था और अब कितने शुक्राने निभा रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शो में वापसी करना चाहेंगे, तो मधु ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हां, क्यों नहीं?' मधु ने शो में वापसी करना चाहूंगा। अगर मैं वापस लौटता हूँ, तो यह मेरी लाइफ का क्लोजर होगा।

अनुष्का की 'चकदा एक्सप्रेस' से 7 साल बाद पर्दे पर वापसी

मुंबई। साल 2018 में आई 'जीरो' के बाद बड़े पर्दे से दूर रहीं अनुष्का की बहुप्रतीक्षित फिल्म चकदा एक्सप्रेस एक बार फिर चर्चा में आ गई है। दरअसल, खबर है कि निर्माताओं ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद नेटवर्किंग के शीर्ष अधिकारियों को फव लिखकर फिल्म रिलीज करने की गुंजाइश की है। उनका कहना है कि झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाड़ी पर कबूजे से बायोपिक दर्शकों तक पहुंचनी चाहिए और किसी विवाद या अड़चन से ऊपर उठकर फिल्म को रिलीज किया जाना चाहिए। हॉलीवुड की वो खूबसूरत अदाकारा जिसकी पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। एक्ट्रेस ने शाहरुख खान के साथ फिल्मों में काम किया है। इस हकीकत के रियर की पहली ही फिल्म यशराज बैनर्स तले खनी थी जो बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस का स्वागत होता है। एक्टिंग के बाद उन्होंने प्रोडक्शन में किस्मत आजमाई और यहां भी खूब सफलता हासिल की। लेकिन कैरियर के पीक पर हकीकत ने शादी कर फिल्मों से लंबा ब्रेक ले लिया और अब 7 साल बाद उनके कमबैक को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ये खूबसूरत अदाकारा जिसकी आज बात कर रहे हैं वो अनुष्का शर्मा हैं।



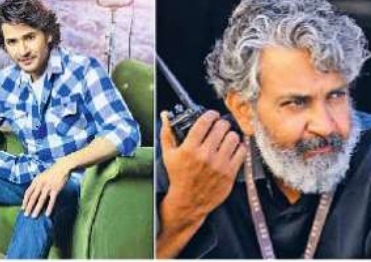
सलमान, शाहरुख और अमिर के साथ वी फिल्मों : साल 2010 में एक्ट्रेस रजनीश शर्मा की फिल्म बैड बाजा भारत में रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं। अनुष्का और रणवीर की कैमिस्ट्री को फिल्म में काफी पसंद किया गया और दूसरी ही

फिल्म सेकेंड कैरियर के रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी। एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अनुष्का ने कुछ ही समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बड़े-बड़े स्टार सलमान खान, शाहरुख खान और अमिर खान के साथ फिल्में दीं। एनएच 10, सुरतान, पीके, संजू, सुई धागा, परी जैसी फिल्मों की सफलता से अनुष्का शर्मा ने दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेस को टक्कर देकर टॉप हॉरीटोन्स की बाँट अपनी जगह बनाई। शादी के बाद फिल्मों में वापसी हुई : विराट कोहली के साथ परिणय न्यू में बंधती ही अनुष्का फिल्मों में वापसी हुईं। उन्होंने फिल्मों में काम करना कम कर दिया। कपाल ने साल 2021 में अपनी पहली बेटी वामिका का स्वागत किया और पिछले साल दोनों ने अपने दूसरे बच्चे अकया का स्वागत किया। अब 7 साल पर्दे से दूर रहने के बाद एक बार फिर अनुष्का शर्मा के कमबैक को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

महेश बाबू और राजामौली की साथ में पहली फिल्म

मुंबई। महेश बाबू और राजामौली की साथ में एक्साइटमेंट 29 पहली फिल्म है और इसी वजह से फंस का उत्साह चरम पर है। एस एस राजामौली बाहुबली और आरआरआर जैसी फिल्मों से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला चुके हैं। वहीं, महेश बाबू साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक माने जाते हैं। दोनों का साथ आना फंस के लिए किसी बड़े सिनेमाई त्योहार से कम नहीं है। इस फिल्म की पहली झलक 15 नवंबर को होने वाले ब्लॉब ट्रेंडर इवेंट में दिखाई जाएगी। इस मेगा इवेंट के आयोजन की तैयारी जारी पर है और फंस के बीच काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यह खास इवेंट हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित किया जाएगा, जहां देश-विदेश से मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री के बड़े चेहरे मौजूद रहेंगे। 'ब्लॉब ट्रेंडर' को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े लॉन्ग इवेंट्स में से एक बताया जा

रहा है। फिल्म की टीम ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा है कि सिर्फ सात दिन में शुरू होगा- भारत का सबसे ऐतिहासिक ग्लोबल लॉन्ग इवेंट। वहीं, सुपरस्टार महेश बाबू ने भी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए



लिखा- 15 नवंबर के लिए गिनती शुरू हो चुकी है, मिलते हैं एक ऐतिहासिक पल के साथ। फिल्म एक्साइटमेंट 29 की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें महेश बाबू, लीड रोल में नजर आएंगे, जबकि उनके साथ प्रियांका चोपड़ा फीमेल लीड के रूप में शामिल हैं। विलेन के रूप में पूव्वीराज सुकुमारन का अहम किरदार रहेगा।

1999 में मिला गॉडमदर के लिए पांचवां नेशनल फिल्म अवॉर्ड

कमी पेट्रोल पंप पर कॉफी बेचकर कमाए थे 30 रुपए, अब उनके नाम हैं 5 नेशनल अवॉर्ड

पिता थे मशहूर कवि

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं वह शबाना आजमी हैं। 18 सितंबर 1950 को हैदराबाद में जन्मी शबाना आजमी के पिता कैफ़ी आजमी एक मशहूर कवि और गीतकार थे। उनकी मां शौकत आजमी रंगमंच अभिनेत्री थीं। ऐसे रचनात्मक माहौल में पली-बढ़ी शबाना अभिनय की ओर आकर्षित हुईं। समय के साथ, वह भारत की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक बन गईं। शबाना आजमी भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) की पूर्व छात्रा हैं। अपने संघर्ष के दिनों में, उन्होंने एक बार अपने अभिनय संस्थान की तरफ से आयोजित एक चैरिटी अभियान में भाग लिया। यहाँ उन्होंने एक पेट्रोल पंप पर कॉफी बेची और अपनी पहली तनख़्वाह के रूप में 30 रुपए कमाए।

नई दिल्ली। हॉलीवुड में एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो भारत की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में शामिल हैं। आज वह लगभग 200 करोड़ रुपए की संपत्ति की मालकिन हैं। उनका ताल्लुक रचनात्मक घराने से रहा है। अपने संघर्ष के दिनों में उन्होंने कमी पेट्रोल पंप पर कॉफी बेचकर 30 रुपए कमाए थे।



अंकुर से की कैरियर की शुरुआत

आजमी ने 1974 में श्याम बेनेगल की फिल्म 'अंकुर' से अपने कैरियर की शुरुआत की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। उन्होंने अर्थ, खंडहर और पार में अपने अभिनय के लिए लगातार तीन वर्षों, 1982 से 1984 तक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया। 1999 में, उन्हें गॉडमदर के लिए पांचवां नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।

150 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

पांच दशकों से भी ज्यादा के करियर में, शबाना आजमी ने कई भाषाओं और शैलियों को 150 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। अभिनय के अलावा, वह महिला अधिकारों की एक प्रमुख आवाज हैं। उनका वकालत का काम अक्सर उनकी कला से जुड़ा होता है। वह अपने मंच का उपयोग बदलाव लाने के लिए करती हैं।

200 करोड़ रुपए की संपत्ति

1984 में, शबाना ने दिग्गज गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर से शादी की। पहले जेवैत की शादी अभिनेत्री और लेखिका हनी ईरानी से हुई थी। जावेद और हनी के दो बच्चे हैं, फरहान अख्तर और जोया अख्तर। इस जोड़े ने बच्चे न होने का फैसला किया। कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार शबाना आजमी की कुल संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह भारतीय सिनेमा में उनके प्रभाव और सफलता को दर्शाती है।

ब्रह्मपुत्र के ऊपर राफेल, सुखोई, तेजस, मिराज ने दिखाया पराक्रम, गुंजा आसमान

एजेंसी ► गुवाहाटी

गुवाहाटी में रविवार को भारतीय वायुसेना का ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया। ब्रह्मपुत्र नदी के लाचिब घाट पर भारतीय वायुसेना ने अपनी 93वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य एयर शो का आयोजन किया। इस दौरान राफेल, सुखोई, तेजस और मिराज जैसे लड़ाकू विमानों ने एक साथ उड़ान भरकर आसमान को देशभक्ति के रंगों में रंग दिया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम अचूक, अभेद्य और सटीक है। इस मौके पर वायुसेना के आधुनिक एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टरों ने 25 अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरी। वायुसेना ने कहा कि यह एयर शो न केवल वायुसेना की ताकत का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है।

सात एयरपोर्ट से उड़े ये युद्धक विमान

प्लाईवुड डिस्क्रेट के लिए वायुसेना के कॉरियर्स ने गुवाहाटी, तेजपुर, जोरहाट, धुबुआ, हासीमारा बागडोवारा और पानागढ़ से उड़ान मरी। लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई-30, अपाचे, मिग-29, आइडल-78 रिफ्लूजर, मिराज, जगुआर, सी-17 ग्लोबमास्टर, एमआई-17, एडवॉंस्ड लाइट हेलीकॉप्टर-एमकेटी, सी-130 हर्क्यूलिस, एटोनीव एएन-32 और सुई किस्ट्रण विमान शामिल हुए। इस खास मौके पर वायुसेना के आधुनिक एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टरों ने 25 अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान मरी।



हजारों लोगों सहित गाणमान्यजन बने साक्षी

कार्यक्रम में असम के राज्यपाल, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह भी मौजूद रहे। दोनों तटों से हजारों दर्शक इस ऐतिहासिक नजारे के साक्षी बने जहां हर उड़ान ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, अनुशासन और तकनीकी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया।



13 से 20 तक होगी बड़ी एक्सरसाइज

वायुसेना ने कहा कि अब इसी कड़ी में 13 से 20 नवंबर 2025 पूर्वोत्तर में भारत एक बड़ा एक्सरसाइज करेगा। इसके साथ ही बाईर पर देश के अलग अलग हिस्से में आर्मी, नौसेना और एयरफोर्स मिलकर संयुक्त ऑपरेशन का अभ्यास कर रही है। राफेल की गर्जना, तेजस की फुर्ती और सुखोईकरण की उड़ान पूर्वोत्तर में अपना दमकम दिखानेगी।

पूर्वोत्तर के लोगों का प्रतिनिधित्व बहुत बड़ा

एयर शो के मौके पर पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कर्मांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सुरत सिंह ने कहा- एयर शो के लिए हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र को इसलिए चुना क्योंकि यह भारतीय वायु सेना की ओर से पूर्वोत्तर के लोगों से जुड़ने का एक प्रयास है। पूर्वोत्तर के लिए गुवाहाटी प्रवेश द्वार है। अरुणाचल प्रदेश में कई एडवॉंस् लैंडिंग वाउड है। हमारे पास 8 एएलजी हैं, सभी वात् है।

खबर संक्षेप

बीएसएफ की श्वान बबीता को वीरता पुरस्कार

चंडीगढ़। पंजाब में तैनात सीमा सुरक्षा बल की श्वान बबीता को हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में असाधारण साहस और विशिष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया है। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि बबीता की तीव्र सूझबूझ और बुद्धिमता के कारण जवानों ने तीन भारतीय तस्करों को गिरफ्तार कर एक पिरतौल, दो गैंगजोन, 63 कारतूस और चार मोबाइल फोन जब्त किए गए। बबीता की उपलब्धि बीएसएफ की बहादुरी, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और निर्बाध समन्वय को दर्शाती है।

जापान तट पर शक्तिशाली भूकंप, सुनामी का डर नहीं

टोक्यो। उत्तरी जापान में रविवार को शक्तिशाली भूकंप आया और इसके कई झटके महसूस किये गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी जेएमए के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.9 थी तथा केंद्र सतह से 16 किलोमीटर की गहराई पर था। एजेंसी ने बताया कि भूकंप जापान के समयानुसार शाम 5:03 बजे इवाते प्रांत के तट पर आया। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में स्थित दोनों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को किसी तरह के नुकसान या किसी असाामान्य घटना की फिलहाल कोई सूचना नहीं है।

कैडेट की मौत के मामले में तीन और गिरफ्तार

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में पूर्वी सियांग जिले के निगलोक स्थित सैनिक स्कूल परिसर में 12-वर्षीय कैडेट द्वारा कथित रेगिंग के कारण आत्महत्या करने के सिलसिले में उसके तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन कर्मचारियों में सुबनसिरी हाउस जूनियर कैडेट विंग के हाउस मास्टर देवेंद्र सिंह, हाउस मास्टर कांगे डारिन और स्कूल के छात्रावास अधीक्षक अमर सिंह ठाकुर शामिल हैं। इससे पहले, पुलिस ने संस्थान के आठ छात्रों को गिरफ्तार किया था। मृतक ने वरिष्ठों द्वारा प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था।

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी पार्टियों ने झोंकी अपनी ताकत

सोनिया, मनमोहन और लालू के समय आतंक पर होती थी ढीली कार्रवाई, मोदी ने ठोक दिया देश को एकजुट कर रहा इंडिया गठबंधन: राहुल

एजेंसी ► पटना

बिहार विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार के आज अंतिम दिन सभी दलों के नेताओं ने मतदान वाली जगहों पर सभा कर अपनी बात मतदाताओं के समक्ष रखी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सासाराम में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व सरकारों के समय आतंकवादियों पर कार्रवाई ढीली रहती थी, जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। अमित शाह ने कहा, "जब सोनिया, मनमोहन और लालू के समय था, तो आतंकवादी घुस आते थे, हमारे देश में हमला करते थे और भाग निकलते थे, कोई सवाल नहीं करता था। नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद उरी हमले के जवाब में सजिकल स्ट्राइक की गई और पुलवामा हमले के बाद हवाई कार्रवाई की गई। पाहलगाम में हमारे ट्रिप्टोस्टे से उनके धर्म के बारे में पूछा गया और उन्हें मारा गया। 22 दिनों में हमने ऑपरेशन सिंदूर करके



पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया। सभा में अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं के उल्लंघन तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों पर जोर देते हुए सरकार की नीतियों का बचाव किया और जनता से बीजेपी का समर्थन मांगते हुए कहा कि वह बिहार और देश की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाते रहेंगे। उन्होंने शखाई स्वर में कहा, "यहां मां शांतिपीठ की पवित्र भूमि पर मैं कहता हूँ, अगर आतंकवादी गोली चलाएंगे तो हम गोलाबारी से जवाब देंगे।"

देश को एकजुट कर रहा इंडिया गठबंधन: राहुल

किशनगंज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक सभा में कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए 'इंडिया गठबंधन' की विचारधारा को बीच इस समय सीधी लड़ाई है। उन्होंने कहा, "हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी के खून में नफरत है, लेकिन मेरे खून में देश को एकजुट करने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस संगठन में डर व घृणा का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "वे चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे से डरें, नफरत करें, ताकि वे सत्ता में बने रहें। सभा में भारी भीड़ उमड़ी और गांधी के भाषण के दौरान 'इंडिया जीतेगा' और 'नफरत छोड़ो, मोहब्बत से जोड़ो' के नारे लगते रहे।



तेज प्रताप बोले - अब तो हर कोई दुश्मन जैसा

राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने केंद्र सरकार द्वारा वाईएस सिखोरिटी दिए जाने पर अब अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेज प्रताप ने कहा, "मुझे खतरा है, मेरे दुश्मन मुझे मार सकते हैं, अब तो हर कोई दुश्मन जैसा लग रहा है। हालांकि उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि उनके दुश्मन कौन हैं या उन्हें किससे खतरा है। तेज प्रताप ने कहा कि उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन उन्हें अब भी अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है।



शपथ ग्रहण समारोह में जरूर आऊंगा : मोदी



बिहार में अपनी अंतिम रेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह 14 नवंबर की जीत के बाद एनडीए की शपथ ग्रहण के लिए एक बार फिर बिहार वापस आएंगे। आखिरी रेली में मोदी ने नारी शक्ति पर फोकस करते हुए कहा कि यह डबल इंजन की सरकार महिलाओं के अधिकारियों और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह संकेत है कि बिहार बदल रहा है और बिहार विकसित हो रहा है। अब लोग नहीं चाहते कि यहां जंगलराज की वापसी हो।

नेहरू और इंदिरा गांधी से तुलना कर फंसे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर को हाल ही में लालकृष्ण आडवाणी को उनके 98वें जन्मदिन पर बधाई देने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। शशि थरूर ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के राजनीतिक करिअर का बचाव करते हुए ने एक पर लिखा, 'क्षमा करें श्रीमान थरूर, इस देश में 'घृणा के बीज' इंदिरा गांधी से उनकी तुलना की है। फैलाना दरअसल, आडवाणी को जन्मदिन की

आडवाणी की तारीफ करने पर शशि थरूर से पार्टी नाराज

बधाई देने पर थरूर की विचारधारा पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने तुरंत शशि थरूर के बयान से खुद को अलग कर लिया। हेगड़े ने की थरूर की पोस्ट पर टिप्पणी : थरूर की इस पोस्ट की आलोचना करते हुए कांग्रेस नेता वकील संजय हेगड़े राजनीतिक करिअर का बचाव करते हुए ने एक पर लिखा, 'क्षमा करें श्रीमान थरूर, इस देश में 'घृणा के बीज' (खुशवंत सिंह के शब्दों में) फैलाना जनसेवा नहीं है।' थरूर ने हेगड़े को दिया करारा जवाब : हेगड़े की टिप्पणी पर थरूर ने लिखा, 'उनकी (आडवाणी) लंबी सेवा को एक घटना तक सीमित कर देना, वैसे वह किसी भी महत्वपूर्ण व्यक्ति को नहीं करता है। जवाहरलाल नेहरू के संपूर्ण करिअर का आकलन चीन की विफलता से और इंदिरा गांधी के करियर का आकलन सिर्फ आपातकाल से नहीं किया जा सकता है। अगर, उनके लिए हम ऐसा नहीं करते, तो मेरा मानना है कि हमें आडवाणी के प्रति भी यही शिष्टाचार दिखाना चाहिए।'

पं. धीरेन्द्र शास्त्री की पदयात्रा...



बलरामगढ़। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा दिल्ली के वृंदावन तक निकाली जा रही रमानत हिंदु एकता पदयात्रा में उत्सही लोग तरह-तरह के मुखौटे लगाकर शामिल हो रहे हैं।

पवार के बेटे की कंपनी पर एक और सरकारी जमीन हड़पने का मामला

पहले पुणे में प्रॉपर्टी की डील सरकार ने कैसिल की थी

एजेंसी ► मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार की कंपनी अमेरिडिया होल्डिंग्स का एक और जमीन घोसाला सामने आया है। नया मामला बोपोडी इलाके का है। यहां कृषि विभाग की जमीन होने के बावजूद, तहसीलदार के साथ मिलकर जमीन हड़पने और फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप लगे हैं। इस मामले में अमेरिडिया कंपनी के डायरेक्टर दिग्विजय अमरसिंह पाटिल समेत 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इससे पहले, 6 नवंबर को पार्थ पवार की कंपनी पर पुणे के मुंढवा में करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप लगा था। मामले में एक अधिकारी को सस्पेंड भी कर दिया गया है। सरकार ने जांच के लिए हाई-लेवल कमिटी बनाई है।



नायब तहसीलदार ने शिकायत दर्ज कराई

इस संबंध में नायब तहसीलदार प्रविणा शिर्कावत बोर्ड में खसक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना छत्रपति शिवाजी रोड पर स्थित मामलेदार कचहरी में 12 फरवरी 2024 से 1 जुलाई 2025 के बीच हुई थी। उन्होंने सरकार की ओर से प्राथमिक अधिकारी के रूप में यह शिकायत दर्ज कराई है। राहुल बोले - एक तो लूट, और उस पर कानूनी मुद्दे में भी छूट : मामले में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ की सरकारी जमीन गंभीर के बेटे की कंपनी को सिर्फ 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी छूट दी गई। मतलब एक तो लूट, और उस पर कानूनी मुद्दे में भी छूट।

पुणे के मुंढवा में 300 करोड़ की जमीन डील रद्द

इस बीच, पुणे के मुंढवा में 300 करोड़ की जमीन डील रद्द कर दी गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को CM फडणवीस से मुलाकत के बाद कहा- पुणे की जिस विकसित जमीन को मेरे बेटे पार्थ पवार से जुड़ा बताया जा रहा है, वह डील रद्द कर दी है। हालांकि, इसको रद्द करने के लिए दोनों पक्षों को 21 करोड़ रुपए यानी कुल 42 करोड़ रुपए भजाने होंगे। पुणे के रजिस्ट्रेशन इन्स्पेक्टर जनरल ने 6 नवंबर को मुंबई के एडिशनल चोफ सेक्टरों को अंतिम रिपोर्ट सौंपी।

नेपाल में मिले लापता भारतीय पिता-पुत्री के शव

एजेंसी ► काठमांडू

नेपाल में पर्यटक के रूप में आए और पिछले महीने से लापता एक भारतीय व्यक्ति और उसकी बेटी के शव एक मठ के पास पहाड़ी इलाके से बर्फ में दबे हुए बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि एपीएफ ने मनांग जिले के दिसयांग स्थित मालेरिया मठ के पास से 52 वर्षीय जिग्मेस कुमार लल्लुभाई पटेल और उनकी 17 वर्षीय बेटी 20 अक्टूबर को दिसयांग स्थित ग्यालसेन होटल से मालेरिया मठ जाने के लिए निकले थे और इसके बाद से वे लापता थे। पुलिस का मानना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि पर्यटक मठ में घूमने आए थे और पहाड़ी पर दुर्घटना का शिकार हो गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला प्रदर्शनियों और जन-हित के आयोजन ही होंगे दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

एजेंसी ► नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी के ऐतिहासिक स्मारकों को आम लोगों की संस्कृति और कला से जोड़ने के लिए नई पहल शुरू करने जा रही है। प्रस्तावित नीति के तहत दिल्ली के कई प्रमुख धरोहर स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कला प्रदर्शनियों और जन-हित के आयोजनों की अनुमति देने की तैयारी है। सरकार का कहना है कि इस कदम से जहां लोगों को दिल्ली की विरासत से जुड़ने का नया अवसर मिलेगा वहीं इन स्मारकों के संरक्षण और रखरखाव में भी मदद मिलेगी। सरकार की इस नीति का उद्देश्य है कि राजधानी की धरोहरों को केवल पर्यटन या ऐतिहासिक स्थलों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाए।

सरकार बना रही नई पॉलिसी



इन कार्यक्रमों के लिए ही मिलेंगी इमारतें : सरकार ने साफ किया है कि इन स्मारकों पर सिर्फ सांस्कृतिक, कलात्मक और जन-हित से जुड़े कार्यक्रम ही आयोजित होंगे। शादी, निजी पार्टियों या व्यावसायिक मनोरंजन जैसे कार्यक्रमों की इजाजत नहीं दी जाएगी, ताकि स्मारकों की ऐतिहासिक गरिमा और संरचना प्रभावित न हो। जीएसटी में छूट पर भी विचार

टूरिज्म को मिलेगी नई रफ्तार

विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीति लागू होने पर दिल्ली के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से स्थानीय कलाकारों को मंच मिलेगा। युवाओं में सांस्कृतिक रुचि बढ़ेगी और दिल्ली एक संस्कृति राजधानी के रूप में और मजबूत पहचान स्थापित कर सकेगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि धरोहरों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होगा। हर आयोजन से पहले और बाद में विशेषज्ञों की टीम स्थल का निरीक्षण करेगी। किसी भी प्रकार की संरचनात्मक या रातों रात की बचाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे।

अर्जित आय का उपयोग होगा मेंटनेंस के लिए

सरकार का कहना है कि इस नई पहल से दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सकेगा। इसके साथ ही, इन सांस्कृतिक आयोजनों से होने वाली आय का उपयोग स्मारकों के संरक्षण, मरम्मत और रखरखाव में किया जाएगा, जिससे धरोहरों को दीर्घकालिक सुरक्षा मिलेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार सरकार कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर रही है। किन स्मारकों पर हो सकते हैं आयोजन? इस प्रस्तावित नीति के तहत दिल्ली के कई प्रसिद्ध और ऐतिहासिक स्मारक शामिल हो सकते हैं, जिनमें लाल किला, हुमायूँ का मकबरा, कुतुब मीनार, पुराना किला, लोटेस टेम्पल (बहाई उपासना मंदिर), इतर मंदिर, राजघाट, अक्षरधाम मंदिर परिसर, इन स्थलों पर संगीत, नृत्य, नाटक, कला-प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।